



04 - अंधविश्वास का बढ़ता बाजार



05 - महुआ मोड़का के खिलाफ नया मामला ज्यादा घातक

A Daily News Magazine

सोमवार, 22 जुलाई, 2024



06- भारी बारिश से दो घंटे बंद रहा मोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे



07- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मीडिया के उलझे रिश्ते

मोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 315 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रु.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./मोपाल/4-391/2018-20)



subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsaverenews
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

बेवजह छत पे मुस्कुराता है कोई
बिजुरी सी पलकें झपकाता है कोई

देह रंग खिला है गगन में सतरंगी
अंजुरी भर मोती लुटाता है कोई

टंकारती टिपिर टिपिर टसकती यादें
ख्वाबों में रोज रात आता है कोई

बालों की लट झूलती, झूलती बाली
गुपचुप फुहारों से भिगोता है कोई

रूनून झूनून,झूम झनन बजती झांझर
देर तक कानों में बजाता है कोई।

- अरुण सातले

सरकारी नौकरियों में अब नहीं मिलेगा आरक्षण

हिंसा के बीच बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर हिंसा के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरी में ज्यादातर आरक्षण खत्म कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के आरक्षण के बरकरार रखने के फैसले को रद्द कर दिया और 93 फीसदी नौकरियों को मेरिट पर आधारित करने का आदेश दिया है। अब 1971 के युद्ध में शामिल होने वालों के परिवारवालों को केवल पांच फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि लगभग सभी सरकारी नौकरियों को योग्यता के आधार पर दिया जाना चाहिए। बता दें कि बांग्लादेश में आरक्षण सुधारों को लेकर कई दिनों से झड़प हो रही थी जिसमें कम से कम 133 लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग घायल हो चुके हैं।

पहली बात



उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

राजनीति में सुपरमैन होने के तकाजे और आत्म-स्तुति

आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी की जुगलबंदी में खोट और खराश की खबरों के बीच सर संघचालक मोहन भागवत का एक आध्यात्मिक संदेश इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रहा है। राजनीतिक पंडितों की माने तो यह संदेश सिधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एड्रेस करता है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के दरम्यान प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न टीवी साक्षात्कारों में कहा था कि ईश्वर ने मुझे यह विश्वास दिलाकर भेजा है कि मेरी ऊर्जा जैविक नहीं है और ईश्वर मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं। मोदी के इस आत्म-स्तुति के परिप्रेक्ष्य में संघ प्रमुख का ताजा उद्धोधन चर्चाओं के केन्द्र में है, जिसमें उन्होंने कहा है कि 'आत्म विकास के क्रम में एक व्यक्ति 'सुपरमैन', फिर 'देवता' और उसके आगे 'भगवान' बनना होता है और उत्तरोत्तर विश्वरूप धारण करने की आकांक्षा रखता है, लेकिन कोई भी नहीं जानता है कि आगे क्या होने वाला है अथवा क्या होगा।' लेकिन ध्यान रखें कि कुछ लोगों में मानव होने के बावजूद मानवीय गुणों का अभाव होता है। उन्हें पहले अपने भीतर मानवीय गुणों का विकास करना चाहिए।

मोहन भागवत का यह संबोधन विकास भारती द्वारा आयोजित ग्राम स्तरीय कार्यक्रमों सम्मेलन में हुआ था। इसके आगे मोहन भागवत के शब्दों में गीता की अनुगूंज सुनाई देती है, जिसमें वो कहते हैं कि "मानवता के विकास के लिए अभी काफी काम करना है, इसलिए जो लोग सुपरमैन होने की आकांक्षा पालते हैं, उन्हें निरन्तर काम करते रहना चाहिए।" चुनाव अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के इस

टीवी साक्षात्कार ने सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इसके कई मीम्स भी बने थे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने खुद को ईश्वर का दूत बताने वाले नेता के प्रतिरूप में प्रधानमंत्री मोदी पर तीखे राजनीतिक कटाक्ष किए थे। अति-मानव के रूप में मोदी की आत्म-स्तुति और प्रस्तुति ने भाजपा के नेताओं को भी असहज कर दिया था।

बहरहाल, मोदी के अति-मानव होने की आकांक्षाओं के बीच श्री अरविंद की अतिमानव की अवधारणा भी ध्यानाकर्षण करती है। मानव से अतिमानव बनने का दर्शन और उसका अतिमानस रूप परम आध्यात्मिक चेतना और विश्व मानवता के सर्वोच्च आदर्शों से आहत होता है। श्री अरविंद ने अतिमानव के स्वरूप की विस्तृत वैचारिक और दार्शनिक विवेचना की है। अतिमानव से मानव की पृथक सत्ता स्वीकार करते हुए श्री अरविंद कहते हैं कि अतिमानव राग और व्देष से मुक्त होता है। मन और इंद्रियों पर उसका संपूर्ण नियंत्रण होता है। जिसके कारण वह मनुष्य से पृथक अपनी स्वतंत्र सत्ता कायम कर पाता है। अतिमानव की अवधारणा मनुष्य को आध्यात्मिक शक्ति से जोड़ने का गुरुतर प्रयास है। श्री अरविंद की धारणा थी कि मानव लोभ, मोह, और अभिलाषाओं का परित्याग कर व्यक्ति के विकास की नई इबारत लिख सकता है। मोहन भागवत ने अपने संबोधन में श्री अरविंद की इस अवधारणा को आगे बढ़ाया है।

मोहन भागवत के संबोधन के पहले विभिन्न सभाओं और साक्षात्कारों में खुद अपने बारे में

दिए गए बयानों को समझना भी जरूरी है। न्यूज 18 को दिए गए अपने साक्षात्कार में मोदी ने कहा था कि "जब मेरी मां जीवित थी, तो मैं यह मानता था कि मैं जैविक रूप से पैदा हुआ हूँ। उनके निधन के बाद अपने सभी अनुभवों पर विचार करने के बाद मुझे यकीन हो गया है कि भगवान ने मुझे भेजा है। मेरी यह ऊर्जा मेरे जैविक शरीर से नहीं हो सकती, बल्कि भगवान ने मुझे प्रदान की है। मैं जब भी कुछ करता हूं, तो मुझे विश्वास होता है कि भगवान मेरा मार्ग दर्शन कर रहे हैं"।

साक्षात्कार में व्यक्त मोदी की अवधारणाएं अपनी जगह हैं,लेकिन अनेक भाजपा नेता भी उन्हें अवतार बताने में पीछे नहीं रहे हैं। पिछले महीने सिने अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने उन्हें विष्णु का अवतार निरूपित किया था। इसी साल जनवरी के महिने में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा था कि त्रेता युग में ईश्वर का अवतार हुआ था, उसी प्रकार इस युग में नरेन्द्र मोदी अवतरित हुए हैं।

बहरहाल, भाजपा नेताओं की स्तुति और वंदनाओं के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत का उदबोधन अतिमानव के बारे में श्री अरविंद की मीमांसाओं को आगे बढ़ाता महसूस होता है। भागवत कहते हैं कि गुणों के बाद मनुष्य अलौकिक शक्तियों के साथ महामानव बनने की आकांक्षा रखता है। और फिर देवता और भगवान का दर्जा प्राप्त करना है। फिर वह विश्वरूप याने परम शक्ति का सर्वव्यापी रूप धारण करने की आकांक्षा रखता है। लेकिन

इससे परे क्या है, वह यह नहीं जानता है। आंतरिक और बाहरी विकास का कोई अंत नहीं है। इसलिए मनुष्य को मानवता के विकास के लिए अथक परिश्रम करना चाहिए।

लोकसभा चुनाव के ताजे परिणामों के बाद आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत के विभिन्न संबोधनों के निहितार्थ और उनमें छिपे सबक की मीमांसा ने भाजपा के सूत्रधारों परेशान कर दिया है। मोहन भागवत की सांकेतिक भाषा हर हाल में चुनाव जीतने के हठ और हठधर्मिता के आगे संयम और संविधान की लक्ष्मण रेखाएं खींचने का संदेश देती है। लेकिन भाजपा के सूत्रधारों को चुनाव में संयम बरतने का कोई भी सबक कबूल नहीं है। इसकी बानगी उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का वह ताजा आदेश है, जिसमें यह निर्देश दिया गया है कि कांवड़ यात्रा के मार्ग में सभी दुकानदार अपने दुकानों के बोर्ड पर अपना नाम लिखें, ताकि यह पता चल सके कि दुकानों के संचालक किस संप्रदाय और जाति के हैं? कांवड़ यात्रा का इतिहास सदियों पुराना है,लेकिन इसके कांवड़-यात्रा से राजनीतिक लाभांश कमाने का सिलसिला नया है। ताजा लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की करारी हार के बाद भाजपा नेता ध्रुवीकरण की अपनी पुरानी राजनीति की ओर लौटते महसूस हो रहे हैं। अल्पसंख्यक समुदाय को चिन्हित करने वाला यह आदेश उसकी बानगी है। और यह आदेश मोहन भागवत के उन संदेशों की अनसुनी की बानगी भी है,जिसमें वो संविधान और संयम के साथ राजनीति करने का संदेश दे रहे हैं।

मानसून सत्र से पहले सरकार ने की विपक्ष के साथ बड़ी बैठक

विपक्ष नेबिहार को स्पेशल स्टेटस,नीट पेपर लीक का उठाया मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक के बाद संसद सत्र के हंगामेदार रहने के आसार बढ़ गए हैं। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस पार्टी ने जहां लगातार डिटी स्पीकर पद की मांग की तो इसके साथ ही साथ नीट यूजी विवाद और कांवड़ यात्रा को लेकर उत्तरप्रदेश सरकार के फैसले पर भी सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार से सवाल पूछे। संसद के बजट सत्र के पहले बुलाई गई इस सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने जोरदार तरीके से अपने मुद्दों को रखा। कांग्रेस सांसद गौरव गोर्गई ने नीट यूजी के साथ-साथ एजेंसियों के दुरुपयोग का मामला भी उठाया। गोर्गई ने कहा कि एजेंसियां केवल विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए छोड़ रखी हैं। भाजपा या एनडीए में जो शामिल हो जाता है तो फिर उसके पीछे एजेंसियां नहीं जाती। समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा दिए गए आदेश के खिलाफ अपनी आवाज उठाई, उन्होंने कहा कि



आखिर दुकानदारों की दुकानों पर सरकार उनके नाम लिखवाकर आखिर क्या साबित करना चाहती है। मीटिंग के बीच में ही कांग्रेस नेता जयराम रमेश की तरफ से अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर यह दावा किया गया कि टीडीपी ने आंध्रप्रदेश के लिए स्पेशल स्टेटस की मांग नहीं की, जबकि नीतिश कुमार की पार्टी ने बिहार के लिए स्पेशल स्टेटस की मांग रखी। रमेश ने अपने पोस्ट में लिखा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में चल रही सर्वदलीय बैठक में जदयू के नेताओं ने बिहार के लिए स्पेशल स्टेटस देने की मांग सामने रखी।

फिर आ गया 'निपाह' वायरस का खतरा

केरल में 14 साल के बच्चे की मौत,हाईलेवल मीटिंग के बाद अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में एक बार फिर से निपाह वायरस के खतरे ने दस्तक दे दी है। राज्य के मलप्पुरम के 14 वर्षीय एक लड़के की निपाह वायरस से रविवार को मौत हो गई। पॉडिक्कड़ निवासी लड़के को रविवार सुबह 10.50 बजे दिल का दौरा पड़ा और उसे बचाया नहीं जा सका। एनआईवी पुणे की तरफ से निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि की

संक्रमण से निपटने में भी मदद मिलेगी। केरल में पिछले साल भी निपाह वायरस के संक्रमण से मौत दर्ज की गई थी। निपाह वायरस का प्रकोप कोझिकोड जिले में था। वायनाड के इस पड़ोसी जिले में वायरस से छह लोग संक्रमित हुए थे जिनमें से दो की मौत हो गई।



● **केंद्र की ओर से संक्रमण देखते हुए भेजी जाएगी टीम, जरूरी उपाय कोकहा**

गई थी। राज्य में इस साल निपाह से पहली मौत के बाद सरकार अलर्ट हो गई है। केंद्र सरकार ने मौत के बाद राज्य सरकार से इस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जरूरी उपाय करने की बात कही है। इसके साथ ही मामले की जांच, महामारी विज्ञान संबंधों की पहचान और तकनीकी सहायता के साथ राज्य की सहायता के लिए एक जॉइंट आउटब्रेक केंद्रीय टीम तैनात की जाएगी। स्थिति का जायजा लेने के लिए विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम राज्य में भेजी जाएगी। इससे राज्य सरकार को

साल 2018, 2021 और 2023 में कोझिकोड जिले में और 2019 में एर्नाकुलम जिले में निपाह संक्रमण फैलने के मामले दर्ज किए गए थे। कोझिकोड, वायनाड, इडुक्की, मलप्पुरम और एर्नाकुलम जिलों के चमगादड़ों में निपाह वायरस की एंटीबॉडी की उपस्थिति का पता चला था। निपाह वायरस मुख्य रूप से फल खाने वाले

वायरस से कोमा और मृत्यु संभव

खांसी और गले में खराश जैसी सांस से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। गंभीर मामलों में, वायरस से कोमा और मृत्यु हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने फ्रूट बैट और सुअरों के साथ संपर्क को कम करने की सिफारिश की है, खासकर प्रकोप वाले क्षेत्रों में। सुनिश्चित करें कि भोजन अच्छी तरह से पकाया गया हो। इसके अलावा कच्चे या आधे पके हुए फलों का सेवन करने से बचें। अच्छी हाइजीन प्रैक्टिस जैसे बार-बार हाथ धोना और व्यक्तिगत सुखा उपकरण का उपयोग करना, वायरस के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक है। मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज निपाह वायरस संक्रमण के लिए एकमात्र उपलब्ध उपचार है। हालांकि अभी तक मेडिकल रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पिछले साल केरल सरकार ने कहा था कि निपाह संक्रमण के खिलाफ एकमात्र उपचार 'मोनोक्लोनल एंटीबॉडी' को घातक वायरस से निपटने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित किया जाएगा।



नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश हुई जिससे मुंबई और नागपुर में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि मुंबई में रक-रक कर बारिश हुई। शहर के कई हिस्सों में जलभराव हुआ। हालांकि, लोकल ट्रेन का संचालन सामान्य रहा। अधिकारी ने बताया कि रात 11.18 बजे 3.66 मीटर की ऊंचाई तक का ज्वार आने की

संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि शनिवार सुबह आठ बजे समाप्त 24 घंटे की अवधि में शहर में 91 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि इसके पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में क्रमशः 87 मिमी और 93 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में विदर्भ (महाराष्ट्र), ब्रारका (गुजरात), बीजापुर (छत्तीसगढ़), मलकानगिरी (ओडिशा), हमीरपुर (उत्तर प्रदेश) और शिवमोगा (कर्नाटक) में सबसे अधिक बारिश हुई। आईएमडी ने शनिवार को

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व कुल गुरुओं एवं शिक्षकों का किया सम्मान

भारतीय संस्कृति में गुरुजनों का स्थान सर्वोच्च : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ.

मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में गुरुजनों का स्थान सर्वोच्च है। गुरुशिक्षा के साथ ही ज्ञान का प्रसार भी करते हैं। वे अपने शिष्यों को अधिकार से प्रकाश की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुरुजनों का सम्मान भारतीय परंपरा और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुरुजनों के सम्मान के लिए अब प्रदेश में हर वर्ष सभी स्कूल और कॉलेजों में गुरुपूर्णिमा का महापर्व मनाया जाएगा। विद्यार्थियों को गुरुओं की महत्ता बताई जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस आयोजन से जुड़े और गुरुओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सभागृह में आयोजित गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाभारत के अनेक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए गुरु शिष्य परम्पराओं का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि गुरु शिक्षा के साथ ज्ञान भी देते हैं। वे अन्याय एवं अधर्म से लड़ना सिखाते हैं। जीवन जीने की कला सिखाते और शिक्षा एवं ज्ञान का दान करते हैं। इस कार्य में वे अपने कर्षों को भी बाधा नहीं बनने देते हैं। गुरु का साथ मिलते ही शिष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है और वह सफलता की ऊंचाइयों की प्राप्त करने लगता है। उन्होंने कहा कि गुरु-परम्परा समुचित मानवता को धन्य करने की परम्परा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आचार्य सादीपनि का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुजन राष्ट्रवादी सोच का प्रवाह अपने शिष्यों में करते



गुरुजनों के बीच पहुंचे और पुष्प वर्षा कर सम्मान किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। डॉ. यादव मंच से उतरकर गुरुजनों के बीच पहुंचे। उन्होंने सभागृह में मौजूद पूर्व कुलगुरुओं एवं शिक्षकों का पुष्प वर्षा कर सम्मान किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्पमित्र भार्गव, विधायक सुशी उषा ठाकुर, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री मधु वर्मा तालिा श्री गोलू शुक्ला, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, श्री गौरव रणदिवें भी मौजूद थे।

हैं। आचार्य सादीपनि इसका बेहतर उदाहरण है। आचार्य सादीपनि ने अपने ज्ञान से राष्ट्र निर्माण और अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव सिखाया है।

गुरुओं का महत्व सबके के सामने आना चाहिए। इसके लिये हमने प्रदेश में हर वर्ष स्कूल और कॉलेजों में गुरु पूर्णिमा का महापर्व पूर्ण आस्था और श्रद्धा के साथ मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत देश को अपने ज्ञान के आधार पर ही विश्व गुरु का दर्जा मिला है। महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु श्री मिथिला प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि गुरुओं का जीवन में अक्षुण्ण महत्व है। गुरु अंतस के अधिकार को भी मिटाता है। गुरु अपना सब कुछ शिष्य को दे देता है। गुरु शिष्य में प्रतिबिम्बित होते हैं। गुरु ज्ञान के साथ ही संस्कार एवं जीवन मूल्य भी सिखाते हैं। गुरुओं के महत्व को बताने के लिये राज्य शासन द्वारा हर वर्ष गुरु पूर्णिमा का महापर्व मनाये जाने का निर्णय सराहीनीय है। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री के.सी. गुप्ता ने भारतीय परंपरा में गुरु शिष्य के संबंधों की महत्ता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के प्रारंभ में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. रेणु जैन ने स्वागत भाषण दिया।

स्थिर नहीं है दिल्ली की सरकार, बहुत जल्द गिरेगी

- कोलकाता में टीएमसी की शहीद दिवस रैली में बोली ममता बनर्जी



कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के एस्प्लेनेड में शहीद दिवस रैली की। रैली को ममता बनर्जी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूँ कि बंगाल के साथ हिंदुस्तान के संबंध अच्छे हों। आप (अखिलेश यादव) यहां आए, मैं आपका शुक्रिया अदा करती हूँ। मैं समाजवादी पार्टी का अभिनंदन करना चाहूंगी क्योंकि उत्तर प्रदेश में आपने जो खेल दिखाया है। मैं आपके साथ सहमत हूँ कि दिल्ली में सरकार स्थिर नहीं है, वह सरकार कभी भी जा सकती है।

खंडवा में दादाजी की समाधि पर मत्था टेक रहे शिष्य

कुबेरेश्वर धाम में दीक्षा समारोह, बागेश्वर में गुरु वंदन; सांदिपनि आश्रम में स्लेट पूजन

खंडवा/भोपाल/उज्जैन/चित्रकूट (नप्र)। गुरु पूर्णिमा पर रविवार को खंडवा में दादा धूनीवाले की समाधि पर मत्था टेककर शिष्य धूनीमाई में आहुति दे रहे हैं। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में एक दिवसीय दीक्षा समारोह मनाया जा रहा है। भोपाल के करुणाधाम में सवा करोड़ मंत्रों की पूर्णाहुति के बाद गुरु पूजन हुआ। उज्जैन के सांदिपनि आश्रम में विद्यार्थि संस्कार किया गया। मुख्य पुजारी पंडित रूपम व्यास ने मंत्रों के साथ स्लेट पूजन करा बच्चों को लिखना सिखाया। छतरपुर के बागेश्वर धाम में 22 जुलाई तक पांच दिवसीय महोत्सव मनाया जा रहा है। दतिया के पीतांबर पीठ समेत प्रदेशभर में कई धार्मिक स्थान और चित्रकूट के गुरुकुलों में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जा रहा है।

सीएम हाउस में मुख्यमंत्री यादव ने गो-सेवा की- वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में सीएम हाउस में गो-सेवा की। इसके बाद उन्होंने इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में शिरकत की। यहां कहा, कुलपति को कुलगुरु कहने की नींव इंदौर में ही पड़ी। तब मैं उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में इंदौर आया था। गुरु जीवन में प्रकाश फैलाते हैं इसलिए कुलपति को कुलगुरु कहने का प्रस्ताव बनाया। सीएम ने कहा कि शिक्षक दिवस, गुड़ी पड़वा की तरह गुरु पूर्णिमा पर्व भी पूरे प्रदेश में हर साल मनाया जाएगा। गुरु पूर्णिमा पर रविवार को खंडवा में दादा धूनीवाले की समाधि पर मत्था टेककर शिष्य धूनीमाई में आहुति दे रहे हैं।

हम भी इंसान हैं, हमसे भी गलतियां होती हैं

- चाइल्ड पोर्नोग्राफी केस में बोले कर्नाटक हाईकोर्ट के जज

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने हाल के एक आदेश को वापस ले लिया है, जिसमें कहा गया था कि केवल



चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना आईटी अधिनियम के तहत अपराध नहीं है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की खंडपीठ ने यह कहते हुए आदेश वापस ले लिया कि पीठ ने गुरुवार को आदेश पारित करते समय धारा 67बी (बी) को गलत तरीके से पढ़ा था। पीठ ने कहा, हम भी इंसान हैं और हमसे भी गलतियां होती हैं। सुधार के लिए हमेशा अवसर होता है। इस संबंध में जांच की जाएगी और नया आदेश दिया जाएगा। यह आदेश रद्द किया जाता है। पीठ ने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में दायर याचिका के बाद आईटी अधिनियम की धारा 67बी (ए) के तहत आदेश पारित किया गया था।

कांवड़ रूट पर नेमप्लेट के समर्थन में उतरे योगगुरु

रामदेव को दिक्कत नहीं तो रहमान को क्यों

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी और उत्तराखंड सरकार के कांवड़ यात्रा रूट की दुकानों पर नेमप्लेट लगाने के फैसले पर जमकर सियासत हो रही है। इसी बीच योग गुरु रामदेव ने बीजेपी सरकार के इस फैसले का समर्थन किया है। रामदेव ने कहा कि हर किसी को उसके नाम पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रामदेव को अपनी पहचान बताने पर कोई आपत्ति नहीं है तो फिर रहमान को क्या दिक्कत है। रामदेव ने रविवार को कहा, सभी को अपने नाम पर गर्व होना चाहिए। अपना नाम छिपाने की जरूरत नहीं है। बस अपने काम में शुद्धता लाने की जरूरत है। अगर हमारा काम साफ है तो यह मायने नहीं रखता कि हम हिंदू हैं या मुसलमान। बता दें कि उत्तराखंड और यूपी सरकार के आदेश के बाद अब उज्जैन नगर निगम ने भी दुकानदारों से अपनी नेमप्लेट लगाने को कहा है। उज्जैन के मेयर मुकेश तटवाल ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले पर पहले 2 हजार रुपये का



जुर्माना लगाया जाएगा। अगर फिर भी कोई नियम को नहीं मानता है तो 5 हजार रुपये का जुर्माना होगा। उन्होंने कहा, उज्जैन एक धार्मिक नगरी है और यहां

श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि वह किस दुकानदार से सेवा ले रहे हैं। अगर किसी भी ग्राहक के साथ धोखा होता है तो उसे उस दुकानदार के बारे में पता होना चाहिए जिससे कि वह शिकायत कर सके। इस फैसले को लेकर विपक्ष विरोध कर रहा है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि राजनीतिक दल देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं और मुसलमानों के प्रति नफरत फैला रहे हैं। सीपीआई (एम) नेता बृन्दा करात ने भी योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, यूपी की सरकार संविधान के खिलाफ काम कर रही है ऐसे में एक पूरे समुदाय पर अत्याचार किया जा रहा है। वे समाज को बांटने की कोशिश में लगे हैं। जर्मनी ने नाजी इसी तरह का काम करते थे। मैं इसकी निंदा करती हूँ। वहीं पश्चिम बंगाल में भाजपा चीफ सुकांता मजुमदार ने कहा कि मुलायम और अखिलेश सरकार के समय इस तरह के नोटिफिकेशन जारी किए गए थे।

चंद्रयान-3 को मिलेगा विश्व अंतरिक्ष पुरस्कार

- इसरो का अब दुनिया ने भी माना लोहा, कर दिया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला दुनिया का पहला देश बना दिया था। अब इस कार्यक्रम को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। चंद्रयान-3 को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष महासंघ द्वारा विश्व अंतरिक्ष पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। भारत के अलावा अब तक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की



उपलब्धि हासिल की है। पुरस्कार समारोह का आयोजन 14 अक्टूबर को इटली के मिलान में 75वें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान किया जाएगा। आपको बता दें कि चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त 2023 को सफल लैंडिंग की थी। इसके करीब एक साल के बाद उसे यह उपलब्धि हासिल होने वाली है। महासंघ ने गुरुवार को कहा, इसरो द्वारा चंद्रयान-3 मिशन वैज्ञानिक जिज्ञासा और लागत प्रभावी इंजीनियरिंग के तालमेल का उदाहरण है। यह उकृष्टता के लिए भारत की प्रतिबद्धता और अंतरिक्ष अन्वेषण द्वारा मानवता को प्रदान की जाने वाली विशाल क्षमता का प्रतीक है। चंद्रमा की संरचना और भूविज्ञान के पहले से अनदेखे पहलुओं को तेजी से उजागर करते हुए यह मिशन नवाचार के लिए एक वैश्विक वसुंधतुमाना है। चंद्रयान-3 की कई उपलब्धियों में से एक भारत के अंतरिक्ष और परमाणु क्षेत्रों का सफल समन्वय था। इसमें मिशन का प्रणोदन मांड़्यूल परमाणु प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित था। चंद्रयान-3 की लैंडिंग की पहली वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए देश भर में कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

समाज सेवा का ऐतिहासिक आयाम हरित संरक्षक सम्मान

भोपाल। राजधानी के कुछ संगठनों ने मिलकर समाज सेवा की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए नया आयाम स्थापित किया है। इसी कड़ी में और मध्यप्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले राज्य के गौरव मनीष शंकर शर्मा से प्रेरणा लेते हुए अंतर्राष्ट्रीय संस्था लायंस क्लब, कैरियर समूह, भोपाल सिटी लाइव, उद्घोष, एमएसएस फाउंडेशन आदि संगठनों ने उन महानुभावों का एक गरिमायम सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया जो वाकई वृक्षों, पौधों और बागवानों का 24 घंटे, सातों दिन, वर्ष भर संरक्षण करते हैं। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों और संरक्षकों एवं संबंधकों द्वारा पौधरोपण करने से हुआ।

इस अवसर पर राजधानी के विभिन्न बागवानों से चुने गये 20 उत्कृष्ट बागवान (माली बंधुओं) को हरित संरक्षक सम्मान प्रदान किया गया। जिसमें सम्मान पत्र, मोमेंटो एवं एंडीजी मनीष शंकर शर्मा की ओर से प्रत्येक बागवान को 1100 का चेक दिया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में श्री जहीर खान, शिवपाल सिंह, मंगल



सिंह, खुमार सिंह, श्रीनिवास, कपिल, सुरेश, दीपक कल्ला, भूरिया, पवन लोधी, गोपी कुशवाहा आदि शामिल हैं। संवर्धक सम्मानप्राप्त करने वालों के रूप में प्रमुख रूप से घोड़ी लाल गौर, महेंद्रअहिरवार, शरद मर्सकोले, दिनेश सिंह, ओम प्रकाश, राहुल विश्वकर्मा, मुनीमलोधी आदि शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस

महानिदेशक मनीष शंकर शर्मा ने कहा कि वृक्षारोपण जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है वृक्षों का संरक्षण। इस युग में जहां पर्यावरण संबंधी चिंताएं वैश्विक चर्चाओं के केंद्र में हैं, वृक्षारोपण को जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता को बढ़ाने के एक प्रमुख समाधान के रूप में व्यापक रूप से बढ़ावा दिया गया है।

200 से अधिक नॉन एसी हाई स्पीड ट्रेनें चलाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार 3.0 के पहले आम बजट के पिंटारे से आम रेल यात्रियों को कई सौगातों मिल सकती हैं। दरअसल, भारतीय रेल आधुनिक और तेज गति वाली 200 से अधिक नई नॉन एसी

- पहले बजट में रेल यात्रियों के लिए पिटारा खोलेगी मोदी सरकार



हाई और सेमी हाई स्पीड ट्रेनों को प्राथमिकता

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के आम बजट में हाई स्पीड और सेमी हाई स्पीड ट्रेनों को भी प्राथमिकता मिलेगी। वित्त मंत्री देश के उत्तर, पूर्व व दक्षिण भारत के हिस्से में तीन नए हाई स्पीड कॉरिडोर (बुलेट ट्रेन) बनाने की घोषणा कर सकते हैं। इसमें दिल्ली-अमृतसर सहित कालिकाता और चेन्नई को शामिल किया जा सकता है। कॉरिडोर के फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के लिए बजट का प्रावधान किया जाएगा। बजट में वंदे भारत व वंदे मेट्रो को तरजीह दी जाएगी।

चलते इस बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में बजट पेश करते हुए आम जनता के लिए कई अहम घोषणाएं कर सकती हैं। इसमें 200 से अधिक पुल-पुश तकनीक युक्त अमृत भारत ट्रेन

चलाने का प्रावधान किया जा सकता है। अत्याधुनिक तकनीक व तेज गति वाली ये ट्रेनें पूरी तरह से नॉन एसी होंगी। इनमें स्लीपर-जनरल कोच होंगे। इन ट्रेनों में एसी कोच लगाए जा सकते हैं।

मंगल ग्रह पर मिला ‘पीला खजाना’, पानी का भी खुलेगा राज

नासा के रोवर ने कर दिया कमाल, एलियन को लेकर भी खोज जारी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के क्यूरियोसिटी रोवर ने मंगल ग्रह पर बड़ी खोज की है। रोवर को लाल ग्रह पर पीले रंग के शुद्ध सल्फर के क्रिस्टल मिले हैं। वैज्ञानिक इस खोज से इसलिए भी हैरान हैं क्योंकि बिना पानी के इन क्रिस्टल का बनना बेहद मुश्किल है। एक चट्टान के खुले हुए हिस्से के बीच में सल्फर के पीले क्रिस्टल पाए गए हैं। क्यूरियोसिटी के प्रोजेक्ट साइटिस्ट अश्विन वासवाडा ने कहा, इस खोज के बारे में पहले से किसी को अंदाजा नहीं था। मुझे लगता है कि यह इस मिशन की सबसे बड़ी खोज है। 30 मई को वासवाडा और उनकी टीम ने रोवर द्वारा भेजी गई तस्वीरें देखीं।

दो महिलाओं को जिंदा गाड़ने की कोशिश

रीवा में जमीन के झगड़े में डंपर से मृतम डाली; एक गले तक, दूसरी कमर तक दबी



केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट कर इस मामले में सरकार को घेरा है। एडिशनल एसपी विवेक लाल का कहना है कि महिलाएं विरोध कर रही थीं। डंपर से मृतम पलटी कर दी, जिसमें दो महिलाएं दब गईं। जांच कर रहे हैं।

उपराज्यपाल सिन्हा से मिले ब्रजमोहन श्रीवास्तव



भोपाल। राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रजमोहन श्रीवास्तव ने हाल में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की। श्रीवास्तव के अनुसार सिन्हाजी के विचार अभिभूत करने वाले हैं। उनके इस संकल्प से ही जम्मू कश्मीर आज विकास की उँचाई को छूने के लिये उड़ पड़ा है।

मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, प्रस्ताव भेजा



भोपाल। रेलवे द्वारा लगातार स्टेशनों को रि-डेवलपमेंट किया जा रहा है। अमृत भारत योजना के तहत यात्रियों को सुविधा के हिसाब से होटेल, फूड प्लाजा, रेस्टोरेंट माल, सभी सुविधाएं स्टेशन पर ही की जा रही हैं। लेकिन इन सब सुविधाओं के बावजूद यात्री अपनी और अपने सामान की सुरक्षा यात्रा के दौरान चाहता है। हालांकि रेलवे ने स्टेशनों को फुल प्रूफ सीसीटीवी कैमरा और आरपीएफ, जीआरपी से लैस कर रखा है, लेकिन यात्रा के दौरान चोरी की वारदात अधिक होने लगी है, इस बावजूद यात्रियों की शिकायत भी खूब रहती है।

निशातपुरा कोच फैक्ट्री में कोची में लगाए जाएंगे कैमरे: रेलवे ट्रेनों में चोरी की घटनाएं पर लगातार लगाने के लिए कोच गेट पर हाईटेक कैमरे लगाने जा रहा है। यह चेहरा पहचानने वाले आधुनिक सीसीटीवी कैमरे होंगे। जोकि मास्क लगा फेस भी पहचान सकेंगे। पमरे जोन व भोपाल रेल मंडल की ट्रेनों में निशातपुरा कोच फैक्ट्री में इन कैमरों को लगाने पर योजना पर काम चल रहा है।

भोपाल में गरज-चमक के साथ बारिश

भोपाल के बड़ा तालाब में 1661.35 फीट पहुंचा लेवल, कोलांस 1 फीट ऊपर बही



भोपाल। भोपाल में रविवार को सुबह से कभी तेज तो कभी रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन तक तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इधर, लाइफ लाइन बड़ा तालाब में पानी का लेवल 1661.35 फीट पहुंच गया है। अब यह सिर्फ 5.45 फीट ही खाली है। रविवार को कोलांस नदी अपने लेवल से 1 फीट ऊपर बह रही है। भोपाल में पिछले 24 घंटे में 13.2 मिमी यानी, आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई। इसे मिलाकर अब तक 422 मिमी यानी, 16.61 इंच बारिश हो चुकी है। यह सीजन की कुल बारिश की 40 प्रतिशत बारिश है।

लगातार बढ़ रहा पानी का लेवल: बड़ा तालाब का लेवल लगातार बढ़ रहा है। दरअसल, बड़ा तालाब के कैचमेंट एरिया और कोलांस नदी में अच्छा पानी गिर रहा है। सीहोर जिले में तेज बारिश होने से पानी कोलांस नदी में पहुंचता है। फिर यह बड़ा तालाब में आता है। ऐसे में तालाब का लेवल बढ़ता जा रहा है। कोलार, कलियासोत और केरवा डैम में भी पानी बढ़ा है।

पीआरओ पूजा थापक सुसाइड केस में पति-सास की तलाश विदेश यात्राओं पर रोक लगाने पुलिस ने पासपोर्ट कार्यालय किया ईमेल

भोपाल। भोपाल में पदस्थ जनसंपर्क अधिकारी पूजा थापक सुसाइड मामले में पुलिस आरोपी पति और सास की तलाश में जुटी है। पूजा थापक ने 9 जुलाई को फांसी लगाकर सुसाइड लिया था। 16 जुलाई को दहेज मृत्यु और प्रताड़ित करने की धाराओं में पति और सास के खिलाफ केस दर्ज किया गया। डीसीपी श्रद्धा तिवारी ने बताया कि आरोपी मां-बेटे की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। दो टीमें उनकी तलाश में जुटी हैं, दोनों के मोबाइल फोन बंद हैं। उनकी लास्ट मोबाइल लोकेशन भोपाल के साकेत नगर में ही ट्रेस की गई थी। पासपोर्ट कार्यालय में उनके फरार का ईमेल भेज दिया है। जिससे उन्हें विदेश जाने का वीजा नहीं मिल सकेगा।

दो साल पहले हुई थी शादी

पुलिस के मुताबिक ग्वालियर निवासी पूजा थापक जनसंपर्क संचालनालय में सहायक संचालक के पद पर पदस्थ थीं। वर्तमान में वह पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल की जनसंपर्क अधिकारी के तौर पर कार्यरत थीं। साल 2022 में उनकी शादी साकेत नगर में रहने वाले निखिल दुबे से हुई थी। निखिल अरेरा हिल्स स्थित



सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में सहायक संचालक हैं। उनका एक साल का एक बेटा है। मंगलवार 9 जुलाई की सुबह घर में पति व सास से अनबन के बाद अपने बेडरूम में फांसी लगा ली थी। काफी देर बाद भी जब बेडरूम का दरवाजा नहीं खुला तो पति ने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा था। भीतर पूजा थापक फंदे पर लटकती नजर आई। फौरन उन्हें फंदे से उतारकर एम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। पति और सास से विवाद के बाद पूजा ने खुद को बेडरूम में बंद कर लिया था। वहीं से उन्होंने अपनी मां को मोबाइल पर फोन पर बात करते हुए कहा कि मां फिर से लड़ाई-झगड़े होने लगे हैं। अब मुझसे बर्दाश्त नहीं होता। मैं मर रही हूँ। फोन कट होते ही पूजा की मां घबरा गई, और उन्होंने दामाद निखिल दुबे को घटना की जानकारी दी। निखिल बेडरूम पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था।

प्लाट की मांग करता था आरोपी पति

मृतका के परिजनों ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि शादी के समय पूजा थापक के परिवार ने 40-45 लाख रुपए खर्च किए थे। पति व सास की मांग पर इंदौर में एक फ्लैट भी दिलाया था।

राजधाम

करुणाधाम-गुफा मंदिर में सुबह से सैकड़ों शिष्यों ने पूजा की, गुरु दीक्षा भी हुई



गुफा मंदिर में गुरु दीक्षा और पूजा का आयोजन

भोपाल के गुफा मंदिर में सुबह से गुरु दीक्षा और पूजन का आयोजन चल रहा है। प्राद्यवराह पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्रीश्री 1008 श्री महंत रामप्रवेश दास जी महाराज का शिष्यों ने पूजन किया। गुरुदेव ने शिष्यों को दीक्षा भी दी।

सुबह से शिष्यों की थी भीड़

गुरु पूर्णिमा के मौके पर करुणाधाम आश्रम में सुबह से ही गुरुदेव सुदेश शांडिल्य महाराज के चरणों का अभिषेक करने के लिए सैकड़ों शिष्य, सेवक जुटे। महाराज ने भी शिष्यों को जीवन में गुरु के महत्व के बारे में समझाया। उन्होंने कहा कि गुरु वो पथ प्रदर्शक हैं, जो स्वयं को ठहराकर अपने शिष्य को पथ में अग्रसर होने की कामना करता है। गुरुदेव ने अपने पिता श्रीश्री 1008 बालगोविंद शांडिल्य महाराज के चरण का अभिषेक कर युवाओं और प्रदेश की उज्जवल भविष्य की प्रार्थना की। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को गुरु पूर्णिमा पर करुणाधाम आश्रम पहुंचकर आचार्य सुदेश शांडिल्य जी महाराज को शॉल, श्रीफल भेंटकर पूजन किया। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को गुरु पूर्णिमा पर करुणाधाम आश्रम पहुंचकर आचार्य सुदेश शांडिल्य जी महाराज को शॉल, श्रीफल भेंटकर पूजन किया।

3 लाख लोगों के लिए रोज की मुसीबत

आदर्श रोड पर 13 साल में 20 करोड़ फूंकें फिट ध्यान आया-ड्रेनेज देना तो भूल ही गए



भोपाल। रायसेन रोड को अयोध्या बायपास की कॉलोनियों से जोड़ने वाली जेके रोड सिर्फ नाम की आदर्श रोड बनकर रह गई है। बीते 13 साल में 4 बार बन चुकी है। 20 करोड़ खर्च हो चुके हैं। अब पांचवीं बार बन रही है। हर दो-तीन साल में खड़की सड़क पर हर बार नई बनाने के नाम पर अलग-अलग प्रयोग किए जाते रहे, लेकिन सबसे अहम वजह यानी ड्रेनेज सिस्टम कभी नहीं बनाया। नतीजतन बारिश का पानी रोड को नुकसान पहुंचाता रहा। अब 20 करोड़ रुपए से नए सिरे से पूरी सड़क

सीमेंट कांक्रीट की बनाई जा रही है। इसमें ड्रेनेज सिस्टम बनाया जा रहा है, लेकिन रोड का काम इतना धीमा है कि एक साल से चल रहे आधे-अधूरे निर्माण के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनती है। 1.8 किलोमीटर के इस रोड से अयोध्या बायपास, जेके रोड, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया सहित आसपास की 50 से ज्यादा कॉलोनियों के लोगों का प्रमुख रास्ता है। इससे करीब 3 लाख से ज्यादा आबादी जुड़ी है। इतना ही नहीं 1100 से ज्यादा फैक्ट्री भी इसी रास्ते से जुड़ी हैं।

जयाप्रदा ने महाकाल मंदिर में दर्शन किए, ध्यान लगाया

●नंदी के कान में मनोकामना कही; बोलीं- यहां आने से सब कुछ शुभ होता है



उज्जैन (नप्र)। महाकाल मंदिर में रविवार सुबह एक्ट्रेस जया प्रदा ने दर्शन किए। उन्होंने कहा, बाबा महाकाल में गहरी आस्था है, इसलिए जब भी इंदौर आती हूँ, भगवान महाकाल के दर्शन के लिए यहां पहुंच जाती हूँ। एक्ट्रेस ने मंदिर के गर्भगृह की चौखट से भगवान का पूजन कर आशीर्वाद लिया। नंदी हॉल में भगवान महाकाल का ध्यान लगाया। नंदी जी के कान में अपनी मनोकामना भी कही। पूजन अर्पित पुजारी ने कराया। मीडिया से बातचीत करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, आज गुरुपूर्णिमा का बड़ा पर्व है और मैं महाकाल के दर्शन को आई हूँ। इस पवित्र मंदिर में आने के बाद सब कुछ शुभ होता है। मुझे आस्था है और भगवान शिव हमेशा साथ रहेंगे। जयाप्रदा इससे पहले भी महाकाल मंदिर आ चुकी हैं।

अतिक्रमण रोकने चंदनपुरा वनक्षेत्र और प्रस्तावित रिंग रोड का होगा सर्वे, एनजीटी ने समिति की गठित

भोपाल। शहर से सटे चंदनपुरा वन क्षेत्र में बढ़ते जा रहे अतिक्रमण, अवैध कब्जे, प्लांटिंग, खनन आदि गैर वानिकीय गतिविधियों के विरुद्ध पर्यावरणविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता राशिद नूर खान द्वारा लगाई गई याचिका को एनजीटी ने स्वीकार कर लिया है। साथ ही उनकी याचिका पर पूरे वनक्षेत्र का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार करने के लिए समिति भी गठित कर दी है। एनजीटी ने निर्देश दिए हैं कि यह समिति छह सप्ताह के भीतर वन क्षेत्र का सर्वे कर, कार्रवाई करेगी और रिपोर्ट तैयार करेगी। यदि अवैध कब्जे मिले, तो उन्हें भी चिह्नित कर रिपोर्ट तैयार कर एनजीटी के समक्ष पेश करेगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा। पर्यावरणविद् राशिद की तरफ से याचिका दायर करने वाले वकील यशदीप ठाकुर ने बताया कि 18 जुलाई को चंदनपुरा वनक्षेत्र को लेकर



सुनवाई हुई। जिसमें कोर्ट ने यह माना है कि वन क्षेत्र में लोगों के द्वारा लगातार हस्तक्षेप, व्यवधान, अतिक्रमण आदि किया जा रहा है। यह बाध सहित अन्य वन्यप्राणियों के

लिए खतरा है। इसके अलावा यहां से बनाया जाने वाले रिंगरोड वेस्टर्न बायपास भी बाधों के इलाके और भ्रमण को भी प्रभावित करेगा। इतना ही नहीं, यहां पर

बिना किसी अनुमति के अवैध निर्माण, विश्वविद्यालय आदि संचालित किए जा रहे हैं। नए निर्माण के लिए पेड़ों को काटा जा रहा है। हाल ही में अधिकारियों द्वारा वन भूमि पर 200 मीटर से अधिक की अवैध सीमा को हटाने की कार्रवाई की गई है। इससे स्पष्ट है कि एक बड़े वन क्षेत्र को खतरा है जो कि बाधों के भ्रमण, प्रजनन आदि का क्षेत्र हैं। ऐसे में यहां का सर्वे कर सभी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जाना चाहिए।

इसके लिए संयुक्त समिति गठित की गई है। जिसमें पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं। इस समिति को पर्यावरण नियमों के उल्लंघन में किसी भी गतिविधि और निर्माण के लिए कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया है।

ग्वालियर में डंपर ने बाइक सवार दो दोस्तों को रौंदा, मौत; लोगों ने जाम लगाया

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में बाइक सवार दोस्तों को तेज रफ्तार डंपर ने रौंद दिया। दोनों की मौके पर मौत हो गई। घटना बिजौली थाना क्षेत्र में खेरिया मोदी और करगवा गांव के बीच हाईवे पर रविवार सुबह हुई। विनीत कुशवाहा और सौरभ जाटव घर से बाइक में पेट्रोल डलवाने के लिए निकले थे। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया।



कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)



राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा पर अभद्र टिप्पणी के मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ एक नया केस दर्ज हो गया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 के तहत केस दर्ज किया है। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा फिर नई मुसौबत में फंसी लीख रही है। नई भारतीय न्याय संहिता के तहत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की ये पहली एफआईआर है। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से दिल्ली पुलिस कमिश्नर के सामने महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत की गई थी।

दो जुलाई को यूपी के हाथरस में सत्संग के बाद भगदड़ मची थी। इस भगदड़ में 120 से ज्यादा मौतें हुई थीं। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं थीं। चार जुलाई को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा हाथरस गई थीं। इस दौरान एक शख्स पीछे छूता लेकर चल रहा था, इसका वीडियो सामने आया, जिस पर महुआ मोइत्रा ने अभद्र टिप्पणी की। हालांकि, बाद में महुआ ने इसे डिलीट कर दिया। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया। महिला आयोग ने अपनी शिकायत में कहा कि महुआ की टिप्पणी बेहद अपमानजनक हैं और महिलाओं के सम्मान के साथ जीने के अधिकार का सारास उल्लंघन है। महिला आयोग ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इसके अलावा, तीन दिन के भीतर एक्साइन रिपोर्ट भी मांगी है।

महिला आयोग ने आरोप लगाया था कि महुआ मोइत्रा की टिप्पणी न सिर्फ अपमानजनक है, बल्कि एक महिला के गरिमा के अधिकार का उल्लंघन भी है। महिला आयोग ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 के तहत केस दर्ज करने की

भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 में प्रावधान है कि जो कोई भी महिला की गरिमा को अपमानित करने के इरादे से कुछ बोलता है, कुछ आवाज निकालता है, कुछ इशारे करता है या फिर कुछ भी ऐसा करता है जिससे महिला की निजता में दखल होता है, तो दोषी पाए जाने पर जेल की सजा होगी। इसे तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही ऐसे मामले में दोषी पाए जाने पर जुर्माने की सजा का भी प्रावधान है।

मांग की थी। महिला आयोग की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 के तहत केस दर्ज किया है। महिला आयोग की पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए महुआ ने लिखा ‘दिल्ली पुलिस इस स्वतः संज्ञान आदेश पर तुरंत कार्रवाई करें। अगर आपको आने तीन दिन में तुरंत गिरफ्तारी के लिए मेरी जरूरत हो तो मैं नादिया में हूं।’ महुआ ने महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा पर तंज कसते हुए भी लिखा ‘मैं अपना छाता खुद पकड़ सकती हूं।’

भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 में प्रावधान है कि जो कोई भी महिला की गरिमा को अपमानित करने के इरादे से कुछ बोलता है, कुछ आवाज निकालता है, कुछ इशारे करता है या फिर कुछ भी ऐसा करता है जिससे महिला की निजता में दखल होता है तो दोषी पाए जाने पर जेल की सजा होगी। इसे तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही ऐसे मामले में दोषी पाए जाने पर जुर्माने की सजा का भी प्रावधान है। कानूनन अगर किसी सांसद या विधायक को किसी आपराधिक मामले में दो साल या उससे ज्यादा की सजा होती है, तो तत्काल उसकी सदस्यता रद्द कर दी जाएगी। 1951 में आए जनप्रतिनिधि कानून की धारा 8(3) में लिखा है कि अगर किसी सांसद या विधायक को दो साल या उससे ज्यादा की सजा होती है तो तत्काल उसकी सदस्यता चली जाएगी। इसके अलावा, सजा पूरी होने के बाद अगले 6 साल तक



चुनाव लड़ने पर भी रोक लग जाती है। जुलाई 2010 में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि अगर किसी मौजूदा सांसद या विधायक को दोषी ठहराया जाता है तो जनप्रतिनिधि कानून की धारा 8(1), 8(2) और 8(3) के तहत वो अयोग्य हो जाएगा। ऐसे में अगर इस मामले में महुआ मोइत्रा को दो साल या उससे ज्यादा की सजा होती है तो उनकी लोकसभा की सदस्यता फिर चली जाएगी।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पिछले साल ‘केश फॉर क्रेरी’ मामले में फंस गई थी। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने उन पर रिश्त

लेकर संसद में सवाल पूछने का आरोप लगाया था। महुआ मोइत्रा पर आरोप लगा था कि उन्होंने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से रिश्त लेकर संसद में सवाल पूछे थे। ये सभी आरोप था कि उन्होंने हीरानंदानी और हीरानंदानी ग्रुप को लोकसभा वेबसाइट के लिए अपने लॉगिन क्रेडेंशियल दिए थे, ताकि वो इसका इस्तेमाल अपने निजी फायदे के लिए कर सके। महुआ ने हीरानंदानी को पासवर्ड देने की बात मानी भी थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने हीरानंदानी को पासवर्ड इसलिए दिया था, ताकि उनके ऑफिस से

कोई सवाल टाइप और अपलोड कर दे। उन्होंने कहा था कि कोई भी उनकी जानकारी के बिना सवाल नहीं डाल सकता था। हालांकि, लोकसभा की एंथिक्स कमेटी ने महुआ को दोषी मानते हुए सदस्यता रद्द करने की सिफारिश की थी। इसके बाद 8 दिसंबर 2023 को उनकी लोकसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई थी।

महुआ मोइत्रा द्वारा इस पूरे मामले की शुरुआत ‘एक्स’ पर एक टिप्पणी को लेकर हुई। तृणमूल कांग्रेस महुआ मोइत्रा के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के कारण मामला दर्ज किया गया है। इस पर शर्मा की शिकायत के आधार पर, दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा रविवार को नई आपराधिक संहिता, भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 (शब्द, हाव-भाव या महिला की शील का अपमान करने के इरादे से कार्य) के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसने भारतीय दंड संहिता की जगह ले ली है। शर्मा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भी पत्र लिखा है और उनसे मोइत्रा के खिलाफ “उचित कार्रवाई” करने का अनुरोध किया है।

पश्चिम बंगाल के कृष्णा नगर की सांसद मोइत्रा को पिछली लोकसभा में सवाल पूछने के लिए नकदी विवाद के बाद लोकसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इस साल वे फिर से चुनी गई, उन्होंने वीडियो में महिला

आयोग की अध्यक्ष के लिए एक व्यक्ति को छतरी पकड़े हुए दिखाया गया था। मोइत्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में ‘पायजामा’ का संदर्भ दिया था। इसने एक विवाद को जन्म दिया था। बाद में उन्होंने पोस्ट को हटा दिया। पुलिस ने सोशल मीडिया से इसके बारे में विवरण मांगा है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने इस टिप्पणी का संज्ञान लिया था और मोइत्रा के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। लेकिन, तृणमूल सांसद सदैव जुझारू रही है। ‘एक्स’ पर एनसीडब्ल्यू की एक पोस्ट का जवाब देते हुए उसने दिल्ली पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने और उसे गिरफ्तार करने के लिए टैग किया था। यहां तक कि उन्हें बताया था कि वह पश्चिम बंगाल के नादिया में है। अगर आपको त्वरित गिरफ्तारी के लिए अगले तीन दिनों में मेरी आवश्यकता है, तो मैं नादिया में हूं। मोइत्रा ने लिखा ‘आई कैन होल्ड माई ओन अम्ब्रेला’ टिप्पणी को भी जोड़ा।

इससे पहले सुश्री शर्मा द्वारा किए गए ट्वीट में एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने राजद प्रमुख लालू यादव और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को गुंगा बताया था। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सुहागरात के संदर्भ में मजाक उड़ाया था। तृणमूल नेता को उनके खिलाफ कथित पूछताछ के बदले नकदी के आरोपों पर नैतिकता समिति की रिपोर्ट के आधार पर पिछले साल दिसंबर में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। उन पर नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना करने वाले संसद में सवाल पूछने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से दो करोड़ रुपये नकद और ‘लक्जरी उपहार’ सहित रिश्त लेने का आरोप लगाया गया था। एजेंसियां इस मामले की भी जांच कर रही है।

एक्सप्रेस वे पर प्रतिबंधित वाहन ज्यादा, यातायात नगण्य

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे अभी अपने मूल स्वरूप में नहीं आया। इसे कई खंडों में शुरू किया जा रहा है। इस हाईवे में मध्यप्रदेश का करीब 90 किमी हिस्सा आता है, जो काफी हद तक पूरा हो गया और उसे यातायात के लिए खोल दिया गया। लेकिन, प्रतिबंध के बावजूद यहां दो पहिया वाहन चलते देखे जा सकते हैं। बड़ोदरा तक काम पूरा होने के बावजूद लोग इसलिए इस हाईवे का उपयोग नहीं करते कि टोल दरें बहुत ज्यादा हैं। यही कारण है कि यहां चार पहिया वाहनों से ज्यादा दो पहिया वाहन ज्यादा दिखाई देते हैं।



यात्रियों को बार-बार टोल के लिए रुकना नहीं पड़ता। हाईवे पर चढ़ने और उतरने की जगह पर इंटरचेंज टोल लगाए गए हैं। हर 50 किलोमीटर पर एंटी और एंजिट के लिए गेट हैं जहां टोल ऑटोमेटिक कट जाता है। एक्सप्रेस वे पर

पर स्पीड मॉनिटर हो रही हैं। स्पीड 120 किलोमीटर से बढ़ती है तो हाईवे पेट्रोलिंग टीम के पास तत्काल ओवर स्पीडिंग वाहन के नंबर का फोटो और नंबर पहुंच जाता है। इसके लिए रतलाम जिले के जावरा के पास कंट्रोल रूम बनाया गया है। जहां स्पीड मॉनिटरिंग वाला एक्सपर्ट तैनात हैं। उन्हें विशेष ट्रेनिंग दी गई है। ओवर स्पीड वाहनों पर लगे जुर्माने को भी टोल टैक्स के साथ इंटरचेंज से निकलने पर वकूल कर लिया जाता है।

एक्सप्रेस वे का 244 किलोमीटर लंबा हिस्सा झाबुआ, रतलाम व मंदसौर जिले में है। रतलाम जिले में 90, झाबुआ जिले में 50.95 व मंदसौर में 102 किमी से गुजर रहा है। कई जगहों पर रेस्ट एवं सर्विस एरिया का निर्माण किया गया है। इन जगहों पर रुककर लोग फ्रेश हो सकते हैं साथ ही आराम भी कर सकते हैं। यात्री सुविधा के लिए की गई कार पार्किंग, फ्यूल पंप, रेस्टोरेंट, टॉयलेट के लिए भवन तो बनकर तैयार हैं, किन्तु उन्हें शुरू नहीं किया गया। लंबी दूरी के यात्रियों को फ्यूल भरवाने के लिए इंटरचेंज से निकलना पड़ता है तथा खानपान की व्यवस्था नहीं होने पर बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। एक्सप्रेस वे के किनारों पर आसपास के गांव वालों ने छोटी-मोटी दुकान खोल ली है जहां पर यात्रियों की चाय-पानी की जुगाड़ हो जाती है।

अधिकतम 120 की स्पीड से वाहन चलते हैं। एक्सप्रेस-वे अत्याधुनिक ऑटोमेटिक ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम से लैस है। इस एक्सप्रेस-वे कंट्रोल हाईवे पर रात दिन मॉनिटरिंग होती है। हर 1 किलोमीटर पर 500 मीटर तक की रेंज वाले हाई रेजोल्यूशन कैमरे लगे हैं। हर 5 किलोमीटर

दिल्ली-मुंबई मार्ग

ऋतुराज बुड़ावनवाला

(पत्रकार एवं लेखक)



दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर मोटरसाइकिल, स्कूटी, ट्रैक्टर और ऑटो चलाने की अनुमति नहीं है। उसके बावजूद नियमों का उल्लंघन करते हुए दो पहिया वाहन एक्सप्रेस वे पर दौड़ते हैं। दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस वे का मध्य प्रदेश खंड के सुचारु रूप से चालू नहीं हुआ। फिर भी एक्सप्रेस वे पर अनधिकृत यातायात जारी है और दुर्घटनाएं हो रही हैं। एक्सप्रेस वे की साईडों को अपनी सुविधानुसार काटकर दो पहिया वाहनों से आवाजाही की जा रही है। गुजरात की ओर से मेघनगर से लगी अनास नदी से प्रदेश में प्रवेश कर रहे इस मार्ग पर थादला, सैलाना, झाबुआ जिले में किसानों को खेत में जाने का रास्ता नहीं दिया गया, जिससे वे परेशान हैं। इस खंड आए दिन पर वाहनों के ऊपर पत्थर बरसाए जाते हैं। खवासा क्षेत्र के आस पास लूट की घटनाएं होती रहती हैं। जिससे एक्सप्रेस वे पर यात्रा करने वाले यात्रियों में भय गहरा रहा है। एंटी प्लाईड झाबुआ के थादला से लगाकर जावरा के भूतेड़ा के एंजिट गेट तक के लगभग 90 किलोमीटर के सफर के दौरान इस रूट पर बहुत कम यातायात देखने को मिलता है।

कम यातायात की एक वजह यह भी सामने आई है कि एक्सप्रेस वे पर टोल रेट बहुत ज्यादा हैं। टोल दरें अलग-अलग पैकेज एरिया की दर से निर्धारित हैं। जैसे कि कहीं पहाड़ काटकर रोड़ को बनाना पड़ा है, तो उस इलाके से गुजरने की टोल दरें थोड़ी अधिक हैं। जहां फ्लैट एरिया में निर्माण हुआ, वहां थोड़ी कम हैं। अगर आप इस एक्सप्रेस वे से कार या जीप-वैन से यात्रा करते हैं तो आपको प्रति किलोमीटर 3 रुपये का टोल देना पड़ता है। उदाहरण के लिए अगर आप 10 किलोमीटर की यात्रा करते हैं तो आपको लगभग 30 रुपये का टोल देना होगा। हल्के कर्मशियल वाहनों (एलसीवी) के लिए टोल दरें ज्यादा हैं। इन वाहनों के लिए टोल दर प्रति किलोमीटर 5 रुपए तक है। अगर आप बस या ट्रक से यात्रा करते हैं तो टोल दरें और भी अधिक होती हैं। इन वाहनों के लिए टोल दर प्रति किलोमीटर 10 रुपए होती है। भारी कर्मशियल वाहन के लिए



टोल दरें प्रति किलोमीटर 12 रुपए होती हैं, जबकि बड़े 3 एक्सप्लू वाहन के लिए यह दर 16 रुपए प्रति किलोमीटर तक होती है।

एक्सप्रेस वे की विशेषता यह है कि कहीं भी टोल गेट नहीं लगे हैं। पूरे एक्सप्रेसवे पर 30 लेन टोल प्लाजा बनाए गए हैं। सफर के दौरान

श्रावण मास और शिव की महिमा

श्रावण मास विशेष

प्रमोद भार्गव

लेखक, साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं।



भारत में श्रावण मास ऐसा महीना है, जिसमें पूरे माह भगवान शिव की आराधना की जाती है। सनातन संस्कृति में इसे सबसे शुभ महीना माना जाता है। इस समय ब्रह्मंड में शिव तत्वों की व्याप्ति हो जाती है। ऐसे में शिव की पूजा यदि अनुष्ठानों के माध्यम से की जाती है तो शरीर, इंद्रिय और आत्मा शुद्ध बनी रहती है। काल गणना के सौर वर्ष के अनुसार यह पांचवां महीना है। इस माह की विशेषता यह भी है कि इस माह के समाप्त होने के बाद निरंतर पर्वों का सिलसिला शुरू हो जाता है। रक्षाबंधन, कृष्ण जन्माष्टमी, श्री गणेश महोत्सव, शारदीय नवरात्रि, दशहरा और फिर दीपावली। इस समय लोग स्थानीय शिव मंदिरों में तो पूजा करते ही हैं, बारह ज्योतिर्लिंगों पर भी पूजा करने जाते हैं।

शिव की महिमा इसलिए है, क्योंकि उन्हें ब्रह्म माना जाता है। उनका अस्तित्व प्रत्येक उस प्राणी में माना जाता है, जिसका अस्तित्व है। जब पृथ्वी पर कुछ भी नहीं था, तब भी पिव थे। अतएव उन्हें आदिदेव कहा जाता है। आदिदेव से तात्पर्य है, सर्वोच्च ईश्वर। इसलिए श्रद्धालु सभी ज्योतिर्लिंगों पर दर्शन करने जाते हैं। झारखंड में बाबा बैद्यनाथ धाम पवित्र स्थानों में से एक माना जाता है। श्रावण के महीने में यहां एक मेला आयोजित होता है, जिसे श्रावण मेला कहते हैं। अनेक श्रद्धालु यहां नंगे पैर चलकर आते हैं और शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित करते हैं। महाराष्ट्र का त्र्यम्बकेश्वर मंदिर में शिवलिंग पर तीन चेहरे उत्कीर्ण हैं, जिनमें ब्रह्मा, विष्णु और रुद्र विराजमान हैं। ऋग्वेद में रुद्र को शिव ही कहा गया है। गुजरात में सोमनाथ मंदिर भी ज्योतिर्लिंग है। श्रावण महीने में यह मंदिर सुबह 4 बजे खुलता है और रात 10 बजे कपाट बंद होते हैं। पूरे भारत से यहां भक्त आते हैं। उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर हिमालय में मंदाकिनी नदी के निकट है। इस मंदिर के निकट ही चार प्रमुख धार्मिक स्थल यमुनोत्री, गंगोत्री और बद्रीनाथ हैं। यहां स्थित गोरीकुंड से 14 किमी की चढ़ाई करने पर दुनिया के सबसे ऊंचे शिखर पर स्थित तुंगनाथ शिव मंदिर है। लोग 3810 मीटर की यह ऊंचाई बम-बम भोले का नाम लेते हुए चढ़ते हैं।

वाराणसी में प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह मंदिर ब्रह्मंड के शासक भगवान विश्वनाथ को समर्पित है। इस मंदिर से साढ़े तीन हजार साल पुराना इतिहास जुड़ा है। श्रावण महीने में इस मंदिर पर भव्य उत्सव मनाने के साथ भगवान को नए-नए आभूषणों से सजाया जाता है। ओड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर है। श्रावण महीने में यहां भी बड़ा समारोह आयोजित करके शिव की पूजा की जाती है। मध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग है। नर्मदा नदी के तट पर स्थित यहां जो पहाड़ है, वह ओम के आकार का है। इसलिए इसे ओंकारेश्वर शिव मंदिर कहा जाता है। शंकराचार्य ने इसी पर्वत पर आराधना करके ज्ञान की प्राप्ति की थी। आंध्र प्रदेश में मल्लिकार्जुन मंदिर श्रीशैलम जिले में स्थित है। इसकी गिनती भी ज्योतिर्लिंगों में है। इस मंदिर परिसर की पहाड़ियों की दीवारों पर शिव के अनेक नयनाभिराम चित्र अंकित हैं। उज्जैन में भगवान महाकाल के नाम से प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग हैं। क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित इस मंदिर को पृथ्वी

का केंद्र बिंदु माना जाता है। क्योंकि यहां से कर्क और भूमध्य रेखाएं परस्पर काटते हुए निकलती हैं। इसलिए यह कालगणना का भी प्राचीन केंद्र है। मुनि सांदीपनि का यहां आश्रम है। भगवान कृष्ण और बलराम ने इसी आश्रम से शिक्षा प्राप्त की थी। कर्नाटक में मुरुदेश्वर मंदिर है। यह अरब सागर के उत्तरी किनारे पर स्थित है। यहां शिवलिंग मंदिर के अलावा भगवान शिव की 123 फीट ऊंची शिव की प्रतिमा है। असम में सुकरेश्वर शिव मंदिर है। इसे राजा प्रमत सिंघा ने बनवाया था। पश्चिम बंगाल में ताकनाथ शिव मंदिर है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। महाराष्ट्र के पुणे के निकट भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग है। महाराष्ट्र में ही वृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग है। यहां महाशिवरात्रि पर विशेष आयोजन होते हैं। यहां बारह स्थानों पर स्थित शिव ज्योति स्वरूप में स्थापित हैं। गुजरात में द्वारका के निकट नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर है। शिव-पुरुष के अनुसार शिव का एक नाम नागेश है, इसलिए इसे नागेश्वर कहा जाता है। तमिलनाडु में रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग है। त्रेतायुग में भगवान राम ने रावण वध के बाद यहीं रुके थे और समुद्र तट पर बालू से शिवलिंग बनाकर उसकी पूजा की थी। बाद में यह शिवलिंग वज्र के समान हो गया। इसे ही रामेश्वरम कहा जाने लगा। अतएव श्रावण का महीना ईश्वर की पूजा-अर्चना की दृष्टि से बारह महीनों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

अयोध्या में भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही देश के मंदिरों में धार्मिक पर्यटन कई लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था का आधार बन रहा है। भक्ति का यह व्यापार 10 से 15 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रहा है। यहां तक की कई राज्यों में प्रमुख मंदिरों की आर्थिकी उस राज्य के कुल वार्षिक बजट से भी कहीं अधिक है। भारत में धनी मंदिरों की बात करें तो तिरुवनंतपुरम में स्थित पद्मानाथ स्वामी मंदिर के खजाने में हीरे, सोने और चांदी के गहनों समेत इन्हीं धातुओं की अनेक मूर्तियां हैं। माना जाता है मंदिर के पास 20 अरब डॉलर की संपत्ति है। मंदिर के गर्भगृह में 500 करोड़ रुपए की भगवान विष्णु की मूर्ति है। इस मंदिर के बाद तिरुपति बलाजी मंदिर सबसे धनी मंदिर है। यहां 680 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष दान में मिलते हैं। इस विष्णु मंदिर के पास नौ टन सोना है और 14000 करोड़ रुपए बैंक में सवधि योजनाओं में जमा है। तीसरे नंबर पर शिरडी के साईं बाबा मंदिर है। यहां सालभर में 380 करोड़ रुपए दान में आते हैं, इसके अलावा मंदिर के पास 460 किलो सोना, 5428 किलो चांदी और डॉलर-पाउंड जैसी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा को मिलाकर 18000 करोड़ रुपए बैंकों में जमा है। 52 शक्ति पीठों में एक माता वैष्णव देवी मंदिर में प्रतिवर्ष 500 करोड़ दान में आते हैं। उज्जैन के महाकाल मंदिर में लगभग 100 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष दान में आते हैं। मंदिर के पास 34 लाख का सोना और 88 लाख 68 हजार की चांदी है। तमिलनाडु के मीनाक्षी मंदिर की प्रतिवर्ष सलाना कमाई छह करोड़ रुपया है। इनमें से ज्यादातर मंदिर भक्तों के लिए निःशुल्क भोजन के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, जल प्रबंध और सड़क निर्माण के प्रकल्प चलाते हैं। आपदा आने पर सरकारी राहत कोष में योगदान भी करते हैं।

यदि ईश्वर दर्शन के इस धार्मिक पर्यटन में विवाह और दीपावली जैसे पर्व की आर्थिकी को भी जोड़ दिया जाए तो यह आर्थिकी कई लाख करोड़ की होगी ? अतएव मर्यादा पुरुषोत्तम राम और कृष्ण की महिमा नैतिकता के प्रतिमान और मानवता के चरम आदर्श व उत्कर्ष से जुड़ी तो है ही, अब बड़ी आर्थिकी का भी आधार बन गई है। गया यह धार्मिक पर्यटन का भक्तिकाल तो है ही, देश की अर्थव्यवस्था को नूतन व निरंतर बनाए रखने का भी बड़ा आयाम बनता दिखाई दे रहा है।



प्रकृति का कर्ज उतारने के यथासंभव पौधरोपण करें : हेमंत खंडेलवाल

जिला टिम्बर, सॉ मिल संगठन व वन विभाग का पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाअभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत फॉरेस्ट डिपो में एक एक पौधा लगाकर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण का संदेश दिया। बैतूल जिला टिंबर सॉ मिल संगठन के जिला अध्यक्ष राजा साहु ने बताया कि कार्यक्रम बैतूल सांसद, केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उडके व बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल भाजपा जिला अध्यक्ष बबला शुक्ला, नगरपालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, फॉरेस्ट डीएफओ उत्पादन व टिम्बर संगठन के सदस्य राजू महादुले, मोहन यादव, अरुण सोनी, अब्दुल भाई, कमल



पावर, विकास पावर, अखिलेश तिवारी, पप्पू मालवीय, कशी मालवी की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस मौके पर डीडी. उडके ने की राजा साहू व वन विभाग के अधिकारी के संयुक्त पौधरोपण कार्यक्रम की सरहना करते हुए कहा कि वृक्ष हर व्यक्ति के जीवन का मूल आधार है। हेमंत खंडेलवाल द्वारा कहा कि हर व्यक्ति को प्रकृति का कर्ज उतारने के लिए अपने जीवनकाल में यथासंभव नियमित रूप से पौधरोपण कार्य चाहिए। राजा साहू द्वारा ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) में चयनित टिक वुड लकड़ी व योजना व टिम्बर संगठन की काष्ठ नीलाम व अन्य आवश्यक सुविधाओं के सहयोग के लिए केंद्रीय मंत्री व बैतूल विधायक से आग्रह किया। जिस पर केंद्रीय मंत्री व वधायक द्वारा वन मंत्री से चर्चा कर आगामी समय वन विभाग काष्ठ व्यापारियों की संयुक्त बैठक कर टिंबर काष्ठ व्यापारियों की हर यथासंभव सहयोग एवं ओडीओपी योजना का लाभ बैतूल के स्थानीय व्यापारियों को ही ज्यादा से ज्यादा मिले इसका आश्वासन दिया। जिस पर बैतूल जिला टिम्बर संगठन द्वारा सांसद व केंद्रीय मंत्री व बैतूल विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ भाजपा नेता विजय कुमार शुक्ला (गबरु भैया) का असामयिक निधन



बैतूल। जिला भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री एवं भैंसदेही कृषि उपज मंडी के पूर्व अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता व सांसद दुर्गादास डीडी उडके के लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि रहे विजय कुमार शुक्ला ऊर्फ गबरु भैया का रविवार 21 जुलाई की दोपहर में बैतूल के संजीवनी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनकी अंतिमि सोमवार 22 जुलाई की सुबह उनके गृह ग्राम आमढाना रतनपुर विकासखंड भैंसदेही में की जाएगी। जिला भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं सहित कार्यकर्ताओं ने अपने लाड़ले गबरु भैया के निधन पर उन्हें अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से मृत आत्मा को अपने शीर्चरंगों में उचित स्थान प्रदान करने तथा इस दुख भरी घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करने की कामना की।

जिला पंचायत सीईओ ने ससुन्द्रा एवं नांदपुर पंचायत सचिव को किया निलंबित

बैतूल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने जनपद पंचायत आमला की ग्राम पंचायत ससुन्द्रा एवं नांदपुर सचिवों को अनियमितता एवं लापरवाही के दृष्टिगत निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जनपद पंचायत आमला के अंतर्गत ग्राम पंचायत ससुन्द्रा के सचिव मुहम्मद सलामे एवं ग्राम पंचायत नांदपुर के सचिव गुलाबराव पंडोरे के विरुद्ध अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही करने की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अक्षत जैन द्वारा शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए ग्राम पंचायत ससुन्द्रा एवं नांदपुर का औचक निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण के समय उक्त दोनों ग्राम पंचायत सचिव अपने निर्धारित मुख्यालय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए।

ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया कि दोनों सचिव प्रायः ग्राम पंचायत से अनुपस्थित रहते हैं तथा इसकी कार्य प्रणाली अत्यंत असंतोषजनक है। साथ ही दोनों सचिवों द्वारा निर्माण कार्य में प्रगति कम करने, मनरेगा योजना अंतर्गत मानव दिवस में अत्यधिक कम प्रगति प्राप्त करने एवं समीक्षा बैठकों में भी बिना सूचना अनुपस्थित रहने की लापरवाही भी पाई गई। लापरवाही पाए जाने पर दोनों सचिवों को उपरोक्त सभी कृत्यों पर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 9 जुलाई 2024 को समक्ष में आहूत किया गया। इस दौरान दोनों सचिवों द्वारा दिया गया उत्तर असंतोषजनक पाए जाने पर प्रथम दृष्टया उनकी लापरवाही प्रमाणित हुई। जिसके चलते ग्राम पंचायत ससुन्द्रा एवं नांदपुर सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारंभ की गई है।

साईं भक्तों ने गुरु पूर्णिमा पर किया खिचड़ी का वितरण

बैतूल/भौरा। नगर में साईं भक्तों द्वारा सोमवार को गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर साईं बाबा की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली एवं सुख समृद्धि की कामना की गई। पूजा के बाद बस स्टैंड पर साईं भक्तों द्वारा खिचड़ी का वितरण किया गया। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने खिचड़ी का भोग ग्रहण किया। साईं सेवा समिति के सदस्यों ने कहा कि आज गुरु की वंदना करने का दिन है। गुरु पूर्णिमा पर गुरु की पूजा आराधना करने से गुरु प्रसन्न होते हैं। संसार में गुरु से बढ़कर कोई नहीं है। प्रत्येक वर्ष गुरु पूर्णिमा के दिन नगर के साईं भक्तों द्वारा साईं मंदिर में पूजा अर्चना के बाद भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाता है। खिचड़ी वितरण कार्यक्रम में भक्तों ने साईं के उद्घोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

बैतूल

भारी बारिश से दो घंटे बंद रहा भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे

बैतूल। जिस झमाझम बारिश की लोग उम्मीद लगाए बैठे थे, वह बीती रात आखिरकार हो ही गई। पूरे जिले में रात को अच्छी बारिश हुई है। इनमें शाहपुर और सारणी क्षेत्र में सबसे ज्यादा 6 और 9 इंच बारिश हुई।



इसके चलते जहां भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे 2 घंटे बंद रहा। वहीं सारणी स्थित सतपुड़ा डैम के 11 गेट भी खोलने पड़े।

बीती रात जिले भर में जमकर बारिश हुई। बीते 24 घंटे में रविवार सुबह तक जिले में औसत 46.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा 9 इंच



बारिश सारणी क्षेत्र में हुई है। वहीं शाहपुर ब्लॉक में 156 मिलीमीटर (6 इंच से अधिक) बारिश हुई है। अन्य ब्लॉकों में भी अच्छी बारिश हुई है। (नीचे देखें बॉक्स)

बैतूल जिले में हुई भारी बारिश का असर पड़ोसी जिले नर्मदापुरम में भी देखने को मिला। इटारसी क्षेत्र में बागदेव के पास नदी का पानी पुल के ऊपर आने से भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे पर जाम लगा रहा। सुबह 5.30 से लगभग 2 घंटे तक यहां जाम लगा रहा। पुल से बाढ़ उतरने के बाद यातायात शुरू हो सका।

लगा गई थी लंबी कतार- यहां पर अभी

फोरलेन का काम चालू है। वहीं नए पुल का निर्माण भी चल रहा है। इसके चलते पुराने मार्ग से ही यातायात शुरू है। इसकी के चलते यहां जाम की स्थिति बन गई। जाम लगने से नदी के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी।

सतपुड़ा डैम के गेट खोले- सारणी क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण सतपुड़ा डैम के गेट भी खोलने पड़े। यहां सुबह 7 बजे 14 में से 11 गेट 10 फीट की ऊंचाई तक खोले गए। सुबह 9 बजे बारिश रुकने पर 4 गेट बंद कर दिए और 7 गेटों से 49685 क्यूसेक पानी तवा नदी में छोड़ा जा रहा है।

13 किंटल की टिक्कड़, एक किंटल की चटनी और ढाई किंटल का हलवा की बंटी प्रसादी

गुरुपूर्णिमा पर बैतूल के मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़, दादाजी की कुटी खंजनपुर में टिक्कड़-चटनी का वितरण



बैतूल। गुरुपूर्णिमा का पर्व रविवार को पूरे जिले में पारंपारिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में भक्तों का तांता लग गया। जगह-जगह भंडारे प्रसादी का आयोजन भी हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने भंडारे में पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की। ग्रामीण अंचलों में नागदेवता एवं ग्राम देवता को पूजने के लिए सुबह से ही लोगों उमड़ने लगे थे। स्कूलों में पट्टी पूजा एवं मां सरस्वती का पूजन कर गुरु पर्व मनाया गया। इधर जिला मुख्यालय पर खंजनपुर स्थित दादाजी की कुटी पर भी दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचने लगे। शिवधामों, नागदेव मंदिरों के अलावा आश्रमों में आज विशेष अनुष्ठान किए गए। सोशल मीडिया पर रात 12 बजे से ही गुरुपूर्णिमा की बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया था। क्लॉटसरए, फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लोग अपने गुरुओं के साथ या गुरु से जुड़ी यादों को साझा कर एक दूसरे को गुरुपूर्णिमा की बधाई दे रहे थे।

श्रद्धालुओं को बांटा टिक्कड़-चटनी का प्रसाद- दादा धुनी कुटी खंजनपुर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रवीण पम्पू भावसार ने आज बताया कि गुरुपूर्णिमा पर्व पर सुबह आठ बजे विशेष आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण शुरू कर दिया था, जो देर रात तक चलते रहा। श्रद्धालुओं को करीब 13 किंटल आटे से बना टिक्कड़, एक किंटल की चटनी के अलावा करीब ढाई किंटल



बना हलवा प्रसाद के तौर पर वितरित किया गया। दोपहर में बैतूलबाजार से बड़ी संख्या में कुटी आए दादा भक्तों ने निशान चढ़ाया। शाम को महाआरती की गई। हजारों की संख्या में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं को कुटी तक आसानी से आने के लिए बेरिकेट लगाकर महिला एवं पुरुषों की अलग अलग कतार की व्यवस्था बनाई गई थी। बारिश को देखते हुए वाटर प्रूफ टेंट लगाए गए थे।

92 वर्ष से अनवरत जल रही है धूनी- ट्रस्ट के प्रफुल्ल सायरे ने बताया कि दादा जी 1930 में खंजनपुर कुटी में रुके थे। 1932 में अंग्रेज कमिश्नर जे.सी.बरीनी ने गुरु पूर्णिमा पर कुटी का निर्माण किया था। तब से 92 वर्षों से यहां पर अनवरत धूनी जल रही है। श्रद्धालुओं के लिए कुटी आस्था का केंद्र बन गया है। यहां पहुंचे 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को टिक्कड़, चटनी और हलवा का प्रसाद बांटा गया। पुलिस ने मुस्सैदी से मोर्चा संभालकर व्यवस्था बनाने में सहयोग दिया। भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से कुटी के सामने से चौपहिया एवं दो पहिया वाहनों का प्रवेश बंद कर अन्य मार्ग से वाहनों की आवाजाही की गई।

खंडवा-शिरडी, शेगांव पहुंचे श्रद्धालु- जिले से प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दादाधाम खंडवा, शिर्डी और शेगांव भी दर्शन के लिए पहुंचते हैं। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर निशान चढ़ाने श्रद्धालुओं के जयंते हनुमान डोल, मठारदेव बाबा के अलावा अन्य मंदिरों तक पैदल यात्रा करते हैं। खंडवा, शिरडी, शेगांव में जिले के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। नागदेव मंदिर पर सुबह से ही दुर्धाभिषेक एवं पूजन का सिलसिला शुरू हो गया था। घरों में गुरुमंत्र का जाप एवं अनुष्ठान किए गए।

साईं मंदिर से निकली पालकी यात्रा-

गुरुपूर्णिमा पर कोठीबाजार स्थित साईं मंदिर से विशाल पालकी यात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु सम्मिलित हुए। दोपहर को साईं मंदिर से पालकी यात्रा की शुरुआत हुई। गाजे-बाजे के साथ निकली पालकी यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए दादाजी की कुटी पहुंची जहां पालकी यात्रा का समापन किया गया। जगह-जगह पालकी यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा के अवसर पर साईं मंदिर से पालकी यात्रा निकाली जाती है और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

खेड़ीसांवली गढ़ के जंगल से हनुमान जी की मूर्ति उठाने वाला पकड़ाया



कि उसने रात में नशे की हालत में खेड़ी के आगे जंगल में हनुमान जी के मंदिर से मूर्ति उठाकर रात में ही खेड़ी के ताप्ती नदी के डेम में ले जाकर पानी में मूर्ति फेंक दी। जिसे ले जाकर मौके का मुआयना किया डेम में मूर्ति ढूँढने का प्रयास किया जा रहा है।

भौरा नगर में भारी बारिश से बाढ़, यातायात बाधित

वाहनों को अपने मार्ग बदल कर फोर लाइन बाईपास से होकर गुजरना पड़ा

बैतूल/भौरा। नगर में शनिवार रात्री को हुई तेज बारिश के कारण मां बिजासन मंदिर के पास वाली नदी में बाढ़ आ गई। इस बाढ़ के कारण नदी के पास का मुख्य मार्ग रविवार सुबह 5 बजे से सुबह 11 बजे तक बंद रहा। बारिश की तीव्रता और नदी में बढ़ते जल स्तर ने जनजीवन को प्रभावित किया। इस स्थिति के कारण भोपाल और इटारसी की ओर नगर से जाने वाले सभी वाहनों को अपने मार्ग बदलने पड़े। इन्हें मजबूरन फोर लाइन बाईपास से होकर गुजरना पड़ा। यही नहीं, यात्री बसों को भी बाईपास का रास्ता अपनाना पड़ा और बैतूल की ओर से नगर के अंदर प्रवेश करना पड़ा। यह अतिरिक्त मार्ग अपनाने से यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा और उनकी यात्रा में देरी भी हुई। रविवार की सुबह हल्की बूढ़ाबादी के बाद दिनभर मौसम खुला रहा, जिससे स्थानीय निवासियों को राहत मिली। हालांकि, बाजार और व्यापार पर मौसम का प्रभाव देखा गया। ग्राहक कम संख्या में आए, जिससे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ा। क्षेत्र में बीती रात को हुई जोरदार बारिश के चलते जहां नगर ही नहीं बल्कि आसपास के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं।

बैतूल, आमला सहित आधा दर्जन स्टेशनों पर शुरू होंगे रेल कोच रेस्टोरेंट



बैतूल। यात्रियों और स्थानीय निवासियों के लिए भोजन के अनुभव को बढ़ाने के लिए एक नई पहल में, मध्य रेल नागपुर मंडल जल्द ही मंडल के भीतर छह और स्टेशनों पर 'रेल कोच रेस्टोरेंट' शुरू करेगा। ये अनोखे भोजनालय ट्रेक पर लगे संशोधित कोचों में स्थापित किए जाएंगे, जो भोजन करने वालों के लिए एक नया माहौल प्रदान करेंगे। नए रेल कोच रेस्टोरेंट के लिए चुने गए स्टेशन अजनी, वर्धा, आमला, बैतूल, चंदपुर और बल्लारशाह हैं। इन प्रतिष्ठानों के लिए अनुबंध ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से दिए जाएंगे।

रेल कोच रेस्टोरेंट रेल पर लगा एक संशोधित कोच है, जिसे एक विशिष्ट रेल-थीम वाले माहौल के साथ बढ़िया भोजन का अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें 40 से अधिक लोग बैठ सकते हैं, जो भोजन करने वालों के लिए एक यादगार माहौल प्रदान करता है। इन कोचों के अंदरूनी हिस्सों को रेल-थीम वाले भोजन के अनुभव को बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक सजाया गया है, जिससे मेहमान खुद को अनूठे माहौल में डुबो सकें। इन रेल कोच रेस्टोरेंट की शुरुआत मध्य रेल द्वारा रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने और अभिनव सेवाएँ प्रदान करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। इस पहल से स्टेशनों पर अधिक आगंतुकों को आकर्षित करने की उम्मीद है, जिससे उन्हें एक विशिष्ट और आनंददायक भोजन का अनुभव मिलेगा।

सरस्वती स्कूल में अध्यक्ष, प्राचार्य, शिक्षक और छात्र-छात्राओं का ऑडिटर वासनिक ने किया सम्मान



बैतूल। शहर के कालापाठा स्थित सरस्वती स्कूल में गुरु पूर्णिमा को लेकर आयोजित गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित नपा बैतूल के सीनियर ऑडिटर बंटी वासनिक के हाथों स्कूल के अध्यक्ष कश्यमीरीलाल बत्रा, संस्था के प्राचार्य, शिक्षक और स्कूल के मेधावी छात्रों का उनके उत्कृष्ट कार्य व सेवा के लिए शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। जानकारी के मुताबिक इस बार रविवार को अवकाश के दिन गुरु पूर्णिमा

होने के कारण सरस्वती विद्या मंदिर में एक दिन पूर्व यानी शनिवार को गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के अध्यक्ष कश्यमीरीलाल बत्रा को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए जहां शील्ड देकर सम्मानित किया गया वहीं संस्था के प्राचार्य और शिक्षकगणों को भी उनकी निस्वार्थ और उत्कृष्ट सेवा के लिए शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही स्कूल के आठवीं, दसवीं और बारहवीं के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र



भेंटकर सम्मानित किया। सरस्वती विद्या मंदिर के प्राचार्य श्री दीक्षित और श्री उपाध्यक्ष को उनके उल्लेखनीय कार्यप्रणाली के लिए विशेष तौर पर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर विशेष रूप से श्री भूपेश पवार, श्रीमती पाटिल, वेद दीदी को भी शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश डॉक्टर अबेडकर समिति के अध्यक्ष और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री वासनिक ने देश के सभी गुरुजनों के कृतित्व

और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'गुरु गोविंद दोज खड़े काके लागू पाए', बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए'। उक्त कविता का उल्लेख करते हुए उन्होंने गुरु के महत्व पर जीवंत रूप से चित्रण किया। गौरतलब है कि कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री वासनिक के द्वारा मां सरस्वती की चित्र पर पुष्प अर्पित और दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्राचार्य द्वारा खुशी जाहिर करते हुए सभी का आभार प्रकट किया।

सफलता की कहानी

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी,

लेखक पूर्व महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली



माननीय प्रधानमंत्री जी हम आभारी हैं कि आप हमारे बीच आए। मेरी ऑन दी जांब लनिंग अब शुरू हो गई है और 2024 तक में देश की सबसे अच्छी जर्नलिस्ट होने की कोशिश करूंगा। उम्मीद करती हूँ कि तब आपसे एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू करने का मौका मुझे मिलेगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ये शब्द हैं भारत की पहली एआई बॉट एंकर सना के। आर्टिफिशनल इंटेलिजेंस के मीडिया जगत में बढ़ते इस्तेमाल की कई संभावनाएं हैं। इसी में से एक है कि आने वाले समय में देश के प्रधानमंत्री एक एआई एंकर से देश के भविष्य और योजनाओं के बारे में चर्चा करते दिखें।

दरअसल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के ‘टेक्स्ट टू स्पीच’ फीचर की बढौलत अब भारतीय न्यूजरूम में मशीन को इंसानी चेहरे में ढालकर खबरें पेश की जा रही है। पिछले साल अप्रैल के महीने में इंडिया टुडे ग्रुप ने एआई एंकर से समाचार बुलेटिन का प्रसारण शुरू किया था। लॉन्च कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एंकर का परिचय देते हुए कहा गया था कि वह ब्राइट है, सुंदर है, उम्र का उन पर कोई असर नहीं होता है और न ही कोई थकान होती है, वो बहुत सारी भाषाओं में बात कर सकती हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी दुनिया को फिर से परिभाषित करने, मानवीय क्षमता की सीमाओं को पार करने और अभूतपूर्व पैमाने पर उद्योगों और अर्थव्यवस्थाओं को नया आकार देने के लिए तैयार है। मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में, एआई का आगमन कंटेंट क्रिएटर्स को सामग्री निर्माण के लिए शक्तिशाली उपकरणों से सशक्त बना रहा है, नए अनुभवों को अनलॉक कर रहा है और कलात्मक अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों का उपयोग करने, बनाने और उनसे जुड़ने के तरीके को हमेशा के लिए बदल रहा है।

हाल के कुछ समय से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत चर्चा का विषय बना हुआ है और पत्रकारिता का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रह रहा है। मौजूदा समय में भारत की मेनस्ट्रीम मीडिया का बड़ा हिस्सा विज्ञापन पर निर्भर होकर काम कर रहा है। ऐसे में तकनीक के जरिये

डेटा के आधार पर समाचार बुलेटिन प्रस्तुत करना और अन्य काम भी इंसान की जगह मशीन की बढौलत होने ने मीडिया इंडस्ट्री के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पत्रकारिता के भविष्य से लेकर पत्रकारिता करने वालों के भविष्य को लेकर भी संकट खड़ा होने की बात कही जा रही है। लेकिन एआई पत्रकारिता वास्तव में क्या है? क्या यह चिंता का एक विषय है या फिर सूचना जगत में एक ऐसी नई क्रांति है, जो पत्रकारिता के सही आयाम स्थापित करने में कामयाब हो पाएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पत्रकारिता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे जीवन के लगभग सभी पहलुओं समेत पत्रकारिता में भी शामिल हो गई है। डिजिटल मीडिया की वजह से जाने-अनजाने में ही एआई तकनीक पर आधारित कंटेंट का इस्तेमाल कर रहे हैं। चाहे वह यू-ट्यूब के एल्गोरिथ्म की वजह से आपको दिखते वीडियो हों या वेबसाइट पर दिखने वाले विज्ञापन। सभी का एक कारण एआई तकनीक ही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव की वजह से एआई पत्रकारिता में बड़ी भूमिका निभा रहा है। मीडिया कंपनियों अपने कंटेंट को अधिक ब्रूस्ट करने के लिए एआई की मदद ले रही हैं। लेख लिखने से लेकर बुलेटिन प्रसारित करने तक में एआई का सहारा लिया जा रहा है। दुनिया भर के बड़े-बड़े मीडिया हाउस एआई द्वारा लिखे लेख को प्रकाशित कर रहे हैं। एक तरफ तो यह काम को आसान और तेजी से कर रहा है, दूसरी ओर यह कई सवाल भी खड़े करता है जिसमें विश्वसनीयता और अखंडता सबसे पहले है। साथ ही क्या सजुनशीलता पर आधारित क्षेत्र में एआई से डेटा आधारित बातचीत और जानकारी, पत्रकारिता के धरातल पर काम कर पाएगी? पत्रकारिता के सबसे मजबूत और शुरुआती मूल्य ‘ग्राउंड रिपोर्टिंग’ का भविष्य इससे बच पाएगा?

खतरों में पत्रकारों की नौकरियां

इंसान की जगह मशीन के इस्तेमाल होने का पहला खतरा इंसानों पर ही पड़ता है। ‘न्यूजजीपीटी’, दुनिया का पहला समाचार चैनल है, जिसका पूरा कंटेंट आर्टिफिशल इंटेलिजेंस द्वारा तैयार किया जा रहा है। चैनल के प्रमुख एलन लैवी ने इसे खबरों की दुनिया का गेम चेंजर कहा था, क्योंकि ना इसमें कोई रिपोर्टर है और ना ही यह किसी

से प्रभावित है। यहां यही बात मीडिया जगत में काम करने वाले लोगों के लिए बड़ा खतरा है। जैसे-जैसे मीडिया के क्षेत्र में एआई का प्रभुत्व बढ़ रहा है, वहां मौजूदा लोगों की नौकरियों पर तकनीक का कब्जा होने की संभावना ज्यादा नजर आ रही है। लेखन, संपादन, एंकिंग, प्रस्तुतीकरण तक के सारे कामों में एआई का सहारा लिया जा रहा है।

बीबीसी द्वारा प्रकाशित एक समाचार के अनुसार साल 2020 में माइक्रोसॉफ्ट ने बड़ी संख्या मे ‘एमएसएन’ वेबसाइट के लिए लेखों के चयन, क्यूरेटिंग, हेडलाइन तय करने और एडिटिंग करने वाले पत्रकारों की जगह स्वचलित सिस्टम को अपनाने की योजना बनाई। खबर के अनुसार कंपनी ने एआई तकनीक के सहारे खबरों के प्रोडक्शन के कामों को पूरा करना तय किया। माइक्रोसॉफ्ट जैसी अन्य टेक कंपनियां मीडिया संस्थानों को उनका कंटेंट इस्तेमाल करने के लिए भुगतान करती हैं। इन सब कामों के लिए पेशेवर पत्रकारों की मदद ली जाती आई है, जो कहानियां तय करने, उनका प्रकाशन कैसे होना है, हेडलाइन तय करने जैसे काम करते हैं। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट के एआई तकनीक के इस्तेमाल के बाद से लगभग 50 न्यूज प्रोड्यूसर्स को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी।

ठीक इसी तरह साल 2022 के अंत में अमेरिकी टेक्नोलॉजी न्यूज वेबसाइट ‘सीएनईटी’ एआई तकनीक का इस्तेमाल करते हुए चीजें अलग ही स्तर पर ले गईं। कंपनी ने एआई प्रोग्राम के तहत लिखे गए दर्जनों फीचर लेख चुपचाप तरीके से प्रकाशित किए। जनवरी 2023 तक कंपनी ने इन सब अटकलों की पुष्टि नहीं की थी, जिसे केवल एक प्रयोग बताया जा रहा था। इतना ही नहीं एसोसिएटेड प्रेस ने भी अपनी कहानियों के लिए एआई का इस्तेमाल किया। ये सब बातें बताती हैं कि कैसे समाचारों को चुनने, उनको व्यवस्थित करने के लिए काम करने वाले मीडिया के पेशेवरों की नौकरियां एआई ले रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपने शुरुआती दौर में है, लेकिन अभी से न्यूजरूम के भीतर उसकी मौजूदगी से मीडिया पेशावरों की नौकरियों पर संकट बनना शुरू हो चुका है। डायच वेले के अनुसार हाल ही में यूरोप के सबसे बड़े पब्लिकेशन हाउस ‘एक्सल स्पिंगर’ ने

कई संपादकीय नौकरियों को एआई में बदल दिया है। स्पिंगर में नौकरियों की कटौती से मीडिया उद्योग के रोबोट पर निर्भरता की आशंकाओं में तेजी ला दी है।

न्यूजरूम में एआई एंकर

भारत समेत कई अन्य देशों में न्यूज एंकर के तौर पर कम्प्यूटर जनित मॉडल यानी एआई एंकर समाचार पढ़ते नजर आ रहे हैं। बहुत हद तक इंसानी तौर पर दिखने वाले ये न्यूज एंकर कॉपीरैट मीडिया हाउस के मुनाफे वाले दृष्टिकोण से हितैषी हैं, क्योंकि इन्हें न कोई सैलरी की आवश्यकता है, ना छुट्टी की। ये 24 घंटे और सातों दिन डेटा के आधार पर काम कर सकते हैं। भारत की पहली एआई न्यूज एंकर सना के लॉन्च के समय इसी तरह के शब्द कहे गए थे कि वह बिना थके लंबे समय तक काम कर सकती है।

द गार्डियन के अनुसार साल 2018 में चीन की न्यूज एजेंसी ‘शिन्हुआ’ पहला एआई न्यूज एंकर दुनिया के सामने लाई। इस एजेंसी के किउ ह्यो पहले एआई एंकर हैं, जिसने डिजिटल वर्जन पर समाचार प्रस्तुत किया। शिन्हुआ और चीनी सर्च इंजन सोगो द्वारा यह एआई एंकर विकसित किया गया है। प्रकाशकों ने चीन के वार्षिक वर्ल्ड इंटरनेट कॉन्फेंस के कार्यक्रम के दौरान इसकी घोषणा की थी। इसी से जुड़ी दूसरी के अनुसार पिछले वर्ष चीन ने एआई महिला न्यूज एंकर सेन जियाओरॉंग को लॉन्च किया। चीन सरकार केंद्रित पीपल्स डेली अखबार ने दावा किया है कि इस एआई न्यूज एंकर ने हजारों न्यूज एंकर्स से स्किल सीखे हैं और वह 365 दिन 24 घंटे लगातार खबरें बता सकती है। चीन के अलावा कुवैत भी अपना एआई न्यूज एंकर लॉन्च कर चुका है। हाल ही में ‘न्यूज 18’ के पंजाब और हरियाणा के क्षेत्रीय चैनल की तरफ से भी एआई एंकर के बारे में बात की गई। इस एंकर का नाम एआई कौर है। हाल ही में रूस के स्वोए टीवी ने खेजुना तुमानोवा को पहले वर्चुअल मौसम की खबर प्रस्तुत करने वाले के रूप में पेश किया।

इस तरह से दुनिया के अलग-अलग मीडिया संस्थानों की ओर से एआई तकनीक के न्यूज एंकर को लॉन्च किया जा रहा है। एक के बाद एक एआई न्यूज एंकर के लॉन्च को मीडिया की नई क्रांति और

बदलाव बताया जा रहा है। अब यह देखा होगा कि सूचना के क्षेत्र में एआई समावेशिता, विश्वसनीयता स्थापित कर पाती है या नहीं। क्योंकि अगर अब तक लॉन्च एआई एंकर्स के रूप-आकार को लेकर बात करे तो उससे पूरी तरह समावेशिता गायब है। लॉन्च एंकर का आकार यूरो सैट्रिक ब्यूटी स्टैंडर्ड को ध्यान में रखकर गढ़ा गया है जैसे गोरा रंग, एक खास तय किस्म की बॉडी आदि। सूचना के क्षेत्र में प्रस्तुतिकरण में इस तरह से पूर्वाग्रहों को और स्थापित करने का काम किया जा रहा है।

एआई की दुनिया और विश्वसनीयता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अभी अपने शुरुआती चरण में है, लेकिन यह देखा वास्तव में बहुत दिलचस्प होगा कि यह पत्रकारिता को किस तरह से बदलेगा। क्योंकि आज क्लिकबेट पत्रकारिता, फेक न्यूज और प्राइम टाइम में चिह्नाने वाली पत्रकारिता का दौर है। ऐसे में क्या रोबोट, इंसानी रविये के इतर विवेक के साथ पत्रकारिता करेंगे? प्रसिद्ध मीडिया स्तंभकार पामेल फिलिपोज ने कहा है कि एआई और उसके इस्तेमाल से पैदा खतरे वास्तविक हैं। एआई अधिक बहुस्तरीय समस्या को पैदा कर सकता है, जैसे एआई दुष्प्रचार अधिक फैला सकता है।

फिलिपोज ने आगे कहा है कि फेक न्यूज अब व्हाट्सएप टेक्स्ट और तस्वीरों के माध्यम से प्रसारित की जाती हैं और एआई की पूरी क्षमता रॉ डेटा को पुर्नजीवित करना है। इस तरह बहुत से पत्रकार और मीडिया पेशवरों का मानना है कि एल्गोरिदम और ऑटोमेशन पर बढ़ती निर्भरता से पत्रकारिता की विश्वसनीयता कम होने का खतरा है।

एआई न्यूज एंकर या पत्रिकारिता में एआई की निर्भरता सूचना क्षेत्र के भविष्य के लिए दोधारी तलवार है। एक तरफ इससे मीडिया के नयेपन और संकट के क्षेत्र की अपार संभावनों पर ध्यान दिया जा रहा है। वहीं इसे नैतिक और जिम्मेदारी तय करने के लिए रेग्यूलेशन और निरीक्षण की आवश्यकता भी है। ऐसे दौर में जहां मीडिया में पहले से ही ग्राउंड रिपोर्ट खोजी पत्रकारिता और जनपक्ष की कमी है, उस समय में एआई तकनीक का बढ़ता प्रभाव सूचनाओं से मानवीय पक्ष को खत्म करने वाला ज्यादा नजर आ रहा है।

चंद्रमति माताजी के सान्निध्य में मानतुंगगिरी पर मनाया गुरुपूर्णिमा उत्सव

चातुर्मास के लिए बड़ौदा प्रस्थान के पूर्व माताजी को दी विदाई

धार। दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र मानतुंगगिरी धार पर गुरु पूर्णिमा का पर्व भक्तों द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया। प्रातः काल अभिषेक, शांति धारा पूजन करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की गई। भगवान विराजमान करने के लाभार्थी देवांग भाई एवं शांति धारा के लाभार्थी हसमुख भाई रमनलाल शाह रहे। मनोकामना पूर्ण गुरु मंदिर में आचार्य भरत सागर जी महाराज की पूजन आरती की गई। इस अवसर पर क्षुल्लिका चंद्रमती माताजी का सानिध्य प्राप्त हुआ। वहीं भक्तों ने चातुर्मास के लिए बड़ौदा प्रस्थान के पूर्व माताजी चंद्रमति को विदाई दी।

मीडिया प्रभारी सुभाष जैन ने बताया कि गुरु पूजन में सौधर्म इंद्र अशोक नंदलाल भाई, चरण प्रखालन मनीष भाई तथा आरती के लाभार्थी भारती बहन रहे। शास्त्र भेंट वीरेंद्र भाई शंकरलाल ने किया। दिगंबर जैन महिला मंडल धार द्वारा नृत्य संगीत से गुरु पूजन किया गया। लीप प्रज्जवलन श्रेणिक गंगवाल, पंडित भाई, संजय त्रिलोकचंद्र, दक्षेश संघवी, डॉ कमल छबड़ा, विनय छबड़ा एवं आशीश जैन ने किया। मंगलाचरण अशोक कासलीवाल रेखा कासलीवाल ने प्रस्तुत किया। गुणानुवाद श्रेणिक गंगवाल, संजय छबड़ा, विनय जैन छबड़ा, आशीष जैन,वीरेंद्र बड़जात्या, ममता गंगवाल, रूपेश झांझरी, दक्षेश संघवी, डॉ लोकेश भाई शाह एवं एमके जैन ने प्रस्तुत किया। संगीतकार राकेश जैन इंंदौर ने स्वर दिया। स्वागत भाषण मौसम झांझरी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन किशोर जैन ने किया।

चेतन देवड़ा बने आनंद चौपाटी समिति के अध्यक्ष

बीस वर्षों तक उपाध्यक्ष बनकर सेवा की समिति की

धार। सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति आनंद चौपाटी की बैठक शनिवाली शनिमंदिर में संपन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्यों की मौजूदगी में आगामी त्योहारों को देखते हुये सर्वसहमति से निर्णय लिया



गणेशजी का माल्यार्पण किया पश्चात समिति के संस्थापक कैलाश चंद्र राठौड़ का माला पहनाकर स्वागत किया एवं पैर छूकर आशीर्वाद लिया। देवडा ने समिति के सभी सदस्यों का आभार मानते हुये अपने उद्बोधन में कहा की मुझे आज जो दायित्व दिया गया है मैं उसे निष्ठापूर्वक निभाऊंगा। और जो वर्षों से समिति द्वारा चल समारोह निकाला जा रहा है उसे बड़ी धूमधाम से निकालेंगे। उपस्थित सदस्यों मे पार्षद प्रतिनिधि कमल राठौड़, पार्षद प्रतिनिधि अजय ठाकुर,दिलीप दुबे,भरत सोनी, जगदीश सिधिया, प्रकाश कसेरा, भय्यू वैद्य, रिकू यादव,महेश खलीफा एवं अन्य सदस्यों ने देवडा को बधाई दी। जानकारी समिति के मीडिया प्रभारी जितेन्द्र सोनी ने दी।

धार शक्ति पीठ पर हर्षोल्लास से मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला स्तरीय विद्यार्थी विजेताओं को दिया गया पुरस्कार

धार। धार गायत्री शक्तिपीठ पर (महेश नगर जिले के पीछे) गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्षउल्लास के साथ मनाया गया। बड़ी संख्या में गुरु भक्तों को गुरु दीक्षा भी दिलाई गई। गुरु पूर्णिमा पर भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला स्तरीय विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

धार गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर प्रातः दो घण्टे तक सामूहिक साधना हुई। इसके पश्चात संस्कार और पंच कुंडीय हवन का क्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें गर्भ संस्कार, नाम करण संस्कार, विद्यारम्भ संस्कार, अन्न प्रासन्न संस्कार, सहित अन्य संस्कार करवाए गए। इस अवसर



केंद्रीय राज्यमंत्री एवं धार महू लोकसभा सांसद सावित्री ठाकुर ने गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी

धार। केंद्रीय राज्यमंत्री नई धार महू लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर ने लोकसभा संसदीय क्षेत्र की समस्त जनता जनार्दन को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के कल्याण की कामना की है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि केंद्रीय राज्यमंत्री व सांसद सावित्री ठाकुर विगत दिनों मनावर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में जन आभार रैली एवं विभिन्न प्रकार के भूमि पूजन समारोह में शामिल होने के पश्चात रविवार को विभिन्न मंदिरों में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर पूजा अर्चना की एवं क्षेत्र वासियों के सुखद भविष्य की कामना की। शनिवार को रात्रि में बालीपुर् धाम मनावर आश्रम पर गुरु दर्शन किए तथा आश्रम के संचालक योगेश जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह धरमपुरी में स्थित श्रीराम धाम आश्रम में शिवजी के दर्शन पूजन किए। इसके साथ ही, मंदिर परिसर के कन्यापूजन



कार्यक्रम में शामिल हुई। दोपहर को मांडव चतुर्भुज शांमल धार महंदिर पहुंच कर महामंडलेश्वर संत श्री नरसिंह दास महाराज आशीर्वाद प्राप्त कर मंदिर परिसर में पौधारोपण किया।

इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी जिला पंचायत सदस्य शिवराम कात्रीज कपिल सोलंकी जिला मंत्री पवन कुशवाह कुष्णा यादव रवि परिहार सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कल रात हुई झमाझम बारिश ने राजमार्ग का रास्ता रोका, विद्युत सब स्टेशन हमेशा की तरह जलमग्न

हीरालाल गोलांनी सोहागपुर। कल रात हुई झमाझम बारिश ने समीपवर्ती ग्राम शोभापुर में राजमार्ग 22 पिपरिया नर्मदापुरम का लिफ्टा हमेशा की तरह जलमग्न हो गया। पानी के तेज बहाव के कारण घंटों लगी वाहनों की लंबी कतारें लग गई। इसी के साथ विद्युत कार्यालय सब स्टेशन डूब में रहा। इससे रात करीबन 12बजे से शोभापुर के वाशियों को बिना बिजली के रात गुजानी पड़ी। धार आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के खेतों में पानी भरने से धान की फसल डूबी रही। राज्य मार्ग 22 पर स्थित बिजली आफिस के पास स्थित पानी के तेज जलबहाव के कारण रापटे के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। प्रशासन एवं पुलिस ने मामले की नजाकत देखते मौके पर पहुंचे। पानी उतरने के बाद आवागमन



शुरू कराया गया। रात में हुई तेज बरसात के कारण विद्युत सब स्टेशन में तीन-चार फीट पानी भर गया। इससे विद्युत

प्रदाय लगभग 14 घंटे ठप्प रहा।

बेसमेंट नीचा क्यों - शोभापुर का विद्युत सब स्टेशन निचले हिस्से में बना हुआ है। सब स्टेशन की आधारशिला की डाइंग ही स्थान को देखकर नजर अंदाज की गई है?

इस संबंध में भटगांव सरपंच सुधीर सिंह ठाकुर एवं आशीष आचार्य का कहना है कि विद्युत सब स्टेशन निर्माण के समय निचले स्थान की अनदेखी की गई। यदि निचले स्थान था।तब फाउंडेशन आधारशिला को ऊंचाई पर लेकर बनाना था। जिससे सब स्टेशन पानी के

कारण जलमग्न न हो। वहीं जमानस को भी बिजली की समस्या से जुझना पड़ता है। आपने वरिष्ठ अधिकारियों से

हर साल होने वाली परेशानी से निजात दिलाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर के बारे में सोचना चाहिए। क्योंकि जरा सी बरसात में नगर का विद्युत प्रदाय बंद कर दिया जाता है।

पानी ही पानी - शोभापुर में तेज बरसात से सिलावट मोहल्ला,भटगांव रोड,बैल बाजार, गंज मोहल्ला, बरेली मोहल्ला एवं तवा कॉलोनी में भी शाम तक घुटने घुटने पानी भर रहा। कई मोहल्लों में नागरिकों के घरों में भी पानी घुस गया।

किसान हलाकान - कल रात हुई भारी बरसात से क्षेत्र के किसानों आफत बनकर आई। क्षेत्र के किसानों की खेतों में गड्डियों में पानी धान पूरी तरह से डूब गई वहीं पानी की तेज धार से मिट्टी की पोरें भी ढह गई है।

बालिका गृह से लड़की को भगा ले गए 6 नकाबपोश

● ग्वालियर में दीवार फांदकर घुसे, खिड़की से चाबी खींचकर लॉक खोला ; गार्ड सोती रही



ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में बालिका गृह से 17 साल की लड़की को 6 नकाबपोश भगा ले गए। नकाबपोश कैम्पस में पीछे बनी 4 फीट ऊंची दीवार फांदकर घुसे। गार्ड रूम में टेबल पर रखी चाबी खिड़की से डंडे के जरिए खींची। चैनल का लॉक खोला। आवाज लगाकर लड़की को जगाया, फिर उसे साथ लेकर निकल गए। मामला कंपु स्थित वन स्टॉप सेंटर में शुक्रवार-शनिवार की रात 1.40 से 2 बजे के बीच का है। सिर्फ 20 मिनट में नकाबपोश लड़की को भगा ले गए। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें लड़की एक नकाबपोश का हाथ पकड़कर निकलती दिख रही है। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात महिला गार्ड सोती रही। वन स्टॉप सेंटर के मुख्य दरवाजे पर दो महिला सहित तीन सुरक्षा गार्ड तैनात थे। इनमें पुलिस का जवान भी था। मुख्य दरवाजे पर तैनात स्टाफ को अंदर की कुछ भनक नहीं लगी। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है।

पुलिस को लड़की के प्रेमी पर शक

एसएपी अखिलेश रेनवाल और सीएसपी अशोक जादौन ने बताया, लड़की इससे पहले भी दो बार अपने घर से भाग चुकी है। पुलिस को शक है कि इस घटना के पीछे लड़की के प्रेमी का हाथ है। पुलिस को यह भी शक है कि मुलाकात के दौरान यह पूरी योजना बनाई गई। इसलिए नकाबपोशों को हर चीज की जानकारी थी।

7 जून को कोर्ट ने लड़की को भेजा था बालिका गृह: लड़की थाटीपुर इलाके से लापता हुई थी। थाने में उसके प्रेमी पर अपहरण का केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने लड़की को बरामद कर 7 जून को कोर्ट में पेश किया। उसने मां-पिता के साथ जाने से मना कर दिया। ऐसे में कोर्ट ने उसे बालिका गृह भेजा था। यहां से वह पहले भी निकलने की कोशिश कर चुकी थी, इसलिए उसे बालिका गृह के तीसरे कमरे में रखा गया था। यह कमरा सबसे अंदर है। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है कि बालिका गृह में से किसी की मिलीभगत तो नहीं है।

रतलाम में 6 साल की बच्ची से रेप

चॉकलेट के बहाने कमरे पर ले गया आरोपी; सागर का रहने वाला है

रतलाम (नप्र)। रतलाम में 6 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोपी उसे चॉकलेट दिलाने के बहाने कमरे पर ले गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। आरोपी मूलतः सागर का रहने वाला है। फिलहाल शहर के डेलनपुर में रह रहा है। घटना शनिवार दोपहर 3.30 से 4 बजे के बीच की है। बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। आरोपी सौरभ अहिरवार (26) उसे कमरे पर ले गया। बाद में बच्ची घर पहुंची और मां को बताया। तब घर पर बालिका के पिता भी नहीं थे। पिता को सूचना दी। माता-पिता व अन्य परिजन बालिका को लेकर पुलिस थाना औद्योगिक क्षेत्र पहुंचे। पुलिस को घटनाक्रम बताया। पुलिस ने आरोपी सौरभ अहिरवार के खिलाफ बीएनएस की धारा 65 (2) तथा पोक्सो एक्ट की धारा 5 एम/6 के तहत केस दर्ज किया। थाना प्रभारी राजेंद्र वर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर हिरासत में ले लिया है।

घर पर अकेला रहता है आरोपी

पुलिस के अनुसार आरोपी डेलनपुर की धागा फैक्ट्री में काम करता है। वह मूलतः सागर का रहने वाला है। 6 माह पहले ही वह आया है और किराए के मकान में रह रहा था।

भू माफियाओं के आगे नतमस्तक इंदौर का कॉलोनी सेल, कॉलोनियों के नाम छुपा लिए 240 कॉलोनियों को नोटिस जारी कर विकास की स्थिति जानने की घोषणा

इंदौर। प्रदेश सरकार ने प्लॉट धारकों को भूमाफियाओं से मुक्त करार अभी तक अविकसित कॉलोनियों के बंधक प्लॉटों को बेचकर कर विक्रय करने के लिए अधिसूचना जारी की थी। इस तारतम्य में इंदौर कलेक्टर कार्यालय के कॉलोनी सेल ने 240 कॉलोनियों को नोटिस जारी कर विकास की स्थिति जानने की घोषणा कर शासन और प्लाट धारकों की आंखों में धूल झाँकने का काम किया है।

एक तो कॉलोनी सेल ने इन कॉलोनियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए, साथ ही कुछ कालोनाईजर और डेवलपर्स से मिलकर ऐसी कई कॉलोनियों को इसमें शामिल नहीं किया, जिनका अभी तक विकास कार्य पूरा नहीं हुआ। इससे तो यह लगता है कॉलोनी सेल के अधिकारियों की मिलीभगत से लाखों का लेनदेन हुआ और इन कॉलोनियों को पिछली तरीख से विकसित दर्शाकर भू माफियाओं को लाभ पहुंचाने का काम किया जाने वाला है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश शासन ने अधिसूचना जारी कर ऐसी सभी कालोनियों को प्रशासन के कब्जे में लेने के निर्देश दिए थे जिनमें विकास अनुमति के 3 साल बाद भी कॉलोनाइजर्स ने विकास कार्य नहीं किया है जिससे इन कॉलोनियों के प्लाट धारक बरसों से विकास कार्य पूर्ण होने की राह देखते हुए परेशान हो रहे हैं।

इंदौर में ऐसी कई कॉलोनियाँ हैं, जिनके प्लाट धारक पांच से लेकर पंद्रह साल पहले प्लॉट प्लाट खरीदने के बाद भी विकास होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इन कॉलोनियों के कॉलोनाइजर्स अथवा डेवलपर्स या तो गायब हो चुके हैं या विकास करने में आनाकानी कर रहे हैं ताकि प्लाट धारक परेशान होकर अपने पौने दाम में अपने प्लाट इनके एजेंटों को बेच दे, फिर इन कालोनियों को विकसित कर करोड़ों रुपए की कमाई की जा सके।

प्रदेश शासन का आदेश आते ही इंदौर कलेक्टर स्थित कालोनी सेल ने ताबडतोब कार्यवाही करते हुए 240 कॉलोनियों के कालोनाजर्स तथा डेवलपर्स को नोटिस



जारी करके जवाब देने का दिखावा किया। जबकि, हकीकत यह है कि कॉलोनी सेल ने इन कॉलोनियों के नाम सार्वजनिक तक नहीं किए। जिससे प्लाट धारकों को यह पता चल सके कि उनकी कॉलोनियों का नाम इन सूची में आ गया है। इस बारे में जब कुछ कॉलोनियों के प्लाट धारकों ने संबंधित अधिकारियों से जानकारी चाही तो उन्हें कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंदौर कलेक्टर के कॉलोनी सेल में एक खेल खेला जा रहा है, जिसमें अधिकारी, कॉलोनाइजर्स और डेवलपर्स शामिल हैं। कॉलोनी सेल ने जिन कॉलोनियों को नोटिस जारी किया, उनमें बहुत सी ऐसी कॉलोनियों को शामिल नहीं किया गया, जिनके कॉलोनाइजर्स और डेवलपर्स ने कहीं आंशिक तो कहीं 5 प्रतिशत या 10 प्रतिशत ही विकास किया है। कहीं कहीं तो यह भी नहीं हुआ है। इनमें ऐसी कॉलोनियाँ भी शामिल हैं जिनके बारे में कॉलोनी सेल के पूर्व प्रभारी तथा अपर कलेक्टर अभय बेडेकर बंधक भूखण्ड बेचकर विकास

दिग्विजय सिंह ने सीएम डॉ. मोहन यादव को लिखा पत्र

सागर के खुरई हत्याकांड मामले में CBI जांच की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर सागर जिले के खुरई के नितिन-अंजना हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग की है। सागर जिले के खुरई के बडोदिया नोनागिर गांव के नितिन अहिरवार की हत्या और अंजना अहिरवार की संदिग्ध मौत का मामला फिर से उठने लगा है पहले पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोशल मीडिया के माध्यम से मामले में जांच की मांग की अब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है।



प्रताड़ना की कई घटनाएं वर्तमान में सामने आई हैं। जिन पर प्रशासन और पुलिस द्वारा राजनैतिक दबाववाश कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है और अपराधी लगातार क्षेत्र में दहशतगदी फैला रहे है।

परिवारों पर हुई घटनाओं की जानकारी दी

दिग्विजय सिंह ने लिखा कि नागरिक समूह द्वारा एक वास्तविक जांच रिपोर्ट मुझे प्रेषित कर सागर जिले में अब तक दलित वर्ग के युवाओं और उनके परिवारों पर हुई घटनाओं की जानकारी दी गई है। सागर जिले में दिनांक 23.08.2023 को सरेआम एक दलित परिवार के बेटे नितिन अहिरवार की दबंगों द्वारा मार-मार कर हत्या कर दी गई थी। नितिन अहिरवार को न्याय दिलाने के लिये प्रयासरत में परिवार के लोगों की भी दबंगों द्वारा हत्या करने के प्रकरण में पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। पुलिस और स्थानीय भाजपा नेताओं ने उल्टा पीड़ित परिवार को ही अपराधी प्रवृत्ति का बता दिया। मेरा आपसे अनुरोध है कि सागर जिले के दलित परिवार के नितिन अहिरवार उसकी बहन कु. अंजना अहिरवार और राजेन्द्र अहिरवार की हत्या के प्रकरण की नागरिक समूह की मांग के अनुरूप सीबीआई से जांच कराने तथा पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने हेतु संबंधित को समुचित निर्देश प्रदान करने का कष्ट करें।

नागरिक समूह ने भेजी वास्तविक जांच रिपोर्ट

दिग्विजय सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि मप्र के नागरिक समूह ने एक वास्तविक जांच रिपोर्ट मुझे भेजी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक अब तक दलित वर्ग के युवाओं और उनके परिवारों पर हुई घटनाओं की जानकारी दी गई है। दिग्विजय का पत्र मध्यप्रदेश में दलित वर्ग पर लगातार हो रहे हमलों की आये दिन खबरें प्रकाशित हो रही है। इसमें सबसे ज्यादा प्रताड़ना के मामले मध्यप्रदेश के सागर जिले में सामने आ रहे है। आपकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा दलित समाज पर हमले और

रतलाम के दूध स्टोरेज प्लांट पर छापा, मिलावट की आशंका

● तीन टैंकर दूध मिला, सैंपल लिए; केमिकल, कास्टिक सोडा के साथ मिल्क पाउडर के बिल मिले



रतलाम (नप्र)। रतलाम के डेलनपुर स्थित दूध स्टोरेज प्लांट पर रविवार दोपहर प्रशासन के अधिकारियों ने मिलावट की आशंका में छापेमार कार्रवाई की। मौके पर तीन टैंकर दूध से भरे मिले। लिक्विड केमिकल, कास्टिक सोडा भी मिला है, जिनके सैंपल लिए हैं। मिल्क पावडर के बिल मिले हैं, जिन्हें जब्त में लिया है। टीम अपनी कार्रवाई कर रही थी इस दौरान कलेक्टर राजेश बाथम भी स्टोरेज प्लांट पहुंचे। उन्होंने खाद्य अधिकारी को सैंपल लेकर जांच करने को कहा। स्टोरेज प्लांट के संचालक राहुल पाटीदार से प्लांट के बारे में जानकारी ली। दोपहर 3 बजे तक कार्रवाई चलती रही। रतलाम से करीब 8 किमी दूर स्थित ग्राम डेलनपुर से कुछ दूरी पर स्थित बालाजी टाउनशिप में पीछे बने स्टोरेज प्लांट पर छापामार कार्रवाई की। कलेक्टर राजेश बाथम को सूचना मिली थी की दूध में मिलावट कर उसे तैयार किया जा रहा है। सूचना पर टीम बनाकर एसडीएम अनिल भाना, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर के साथ पटवारियों को भेजा। खाद्य अधिकारी कमलेश जमरा, सीएसपी अभिनव वारगे, थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रभारी राजेंद्र वर्मा भी पहुंचे।

जब्त में यह लिया: मौके पर तीन टैंकर क्रमांक जीजे 03 बीवी 4408, आरजे 06 जीसी 5216 और आरजे 09 जीसी 4963 खड़े मिले। तीनों टैंकर में अलग-अलग मात्रा में दूध था।

एमपी पुलिस को मौत की हिस्ट्री तलाशना होगा आसान एम्स में शुरू हुआ फॉरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब



भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस को अब किसी भी मौत की हिस्ट्री जानने में और आसानी होगी, दरअसल एम्स भोपाल में फॉरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब की शुरुआत की गई है। मेडिको-लॉगल मामलों की जांच करना आसान होगा राजधानी भोपाल के एम्स मेफॉरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब की शुरुआत की गई है जिसमें किसी भी मौत की हिस्ट्री तलाश में पुलिस की काफी मदद मिलेगी। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ डॉ. अजय सिंह ने अत्याधुनिक फॉरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब का उद्घाटन किया। इस लैब को एम्स के मोचरी कॉम्प्लेक्स में स्थित किया गया है। इससे फॉरेंसिक मेडिसिन में इसकी क्षमताएं मजबूत होंगी।

फॉरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी में उन्नत शोध और

निदान की सुविधा: नवनिर्मित लैब फॉरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी में उन्नत शोध और निदान की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे मेडिको-लॉगल मामलों के लिए महत्वपूर्ण उतक के नमूनों की सटीक जांच और विश्लेषण संभव होगा। यह सुविधा एम्स भोपाल मे फॉरेंसिक पैथोलॉजी में एक नए युग की शुरुआत करती है, जो सटीक और समय पर हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन कर सकेगी। इससे मृत्यु के कारणों को निर्धारित करने और अपराधिक जांच में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सहायता की जा सकेगी। एम्स के डायरेक्टर प्रो. अजय सिंह ने फॉरेंसिक जांच में हिस्टोपैथोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और भविष्य में लैब की क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उप मुख्यमंत्री पद को लेकर भाजपा का चिंतन-मनन

देवेन्द्र फडणवीस उप मुख्यमंत्री हैं। आंध्रप्रदेश में चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाले एनडीए सरकार में जन सेना पार्टी के पवन कल्याण उप मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में भी उप मुख्यमंत्री हैं। मेघालय और नागालैंड जैसे छोटे राज्य में भी दो-दो उप मुख्यमंत्री हैं। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री रहते वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने पांच उप मुख्यमंत्री बनाए थे, पर रेड्डी के पार्टी के सर्वेसर्वा होने के कारण उप मुख्यमंत्री ताकत नहीं दिखा सके, लेकिन भाजपा शासित राज्यों में ऐसा नहीं है। इस कारण भाजपा के बड़े नेताओं के माथे पर चिंता की लकीरें झलकने लगी हैं। अब इंतजार है हाईकमान के फैसले का।

कांग्रेस में नेतृत्व के लिए नेताओं का टोटा

कहते हैं दिल्ली के एक नेता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को बदलना चाहते हैं, पर नेतृत्व सौंपने के लिए नेताओं का टोटा के चलते पीछे हट गए। पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की बात चली थी, पर एक नेता ने पेंच मार दिया। खबर है कि नेताजी ने बड़े नेताओं के कान में फूंक दिया कि सिंहदेव के सरगुजा संभाग में सभी 14 सीटें कांग्रेस हार गई है। लोकसभा भी जीत नहीं पाए। ऐसे में सिंहदेव को कमान सौंपने का संदेश अच्छा नहीं जाएगा। नेताजी के पेंच से सिंहदेव का नाम आगे नहीं बढ़ पाया। मामला ठंडे बस्ते में चला गया और दीपक बैज को जीवनदान मिल गया। दीपक बैज खुद 2023 में विधानसभा चुनाव हार गए और उनके नेतृत्व में 2024 का लोकसभा चुनाव

यहाँ पार्टी बुरी तरह हार गई। 11 में से केवल एक सीट ही वह जीत सकी। इस कारण दिल्ली के नेता दीपक बैज की जगह नया चेहरा चाहते हैं। दीपक बैज की जगह प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए कई दावेदार हैं। बताते हैं उनको लेकर कांग्रेस हाईकमान कॉन्फिडेंट नहीं है। दीपक बैज ताकत दिखाने में लग गए हैं। राज्य की जनसमस्याओं को लेकर उनके नेतृत्व में पार्टी 24 जुलाई को विधानसभा का घेराव करने वाली है। अब देखते हैं 24 जुलाई को किस तरह का शक्ति प्रदर्शन होता है ?

पतियों के सहारे विभाग ?

कहते हैं छत्तीसगढ़ में सरकार का एक विभाग पतियों के भरोसे चल रहा है। इस विभाग की कर्ताधर्ता महिला है। बताते हैं महिला कर्ताधर्ता अपने निजी स्टाफ में प्रमुख पद पर महिला की तैनाती कर रखी है। चर्चा है कि महिला कर्ताधर्ता अपने पति से चर्चा के बिना फाइलों पर दस्तखत नहीं करती, वहीं निजी स्टाफ में प्रमुख पद पर तैनात महिला कर्मचारी भी अपने पति को फाइल दिखाए बिना आगे नहीं बढ़ाती। बताते हैं इसके कारण विभाग में बिना दस्तखत के फाइलों की संख्या बढ़ गई है। कई जरूरी फाइलों भी महिला कर्ताधर्ता के दस्तखत के इंतजार में उनके दफ्तर में बाट जोह रही है। बताते हैं फाइलों पर दस्तखत के अभाव में जनहित के काम पर भी असर पड़ रहा है।

मंत्री स्टाफ में तैनात डिप्टी कलेक्टर चर्चा में

राज्य के एक मंत्री के स्टाफ में तैनात एक डिप्टी कलेक्टर इन दिनों सुर्खियों में हैं। कहते हैं लोकसभा

चुनाव के दौरान भी साहब ने अपनी जेब गर्म की थी और अब भी शुरू हो गए हैं। साहब की शिकायत मंत्री जी तक लोगों ने पहुंचा दी है। अब मंत्री जी के एक्शन का इंतजार है। कहा जाता है कि कांग्रेस के राज में डिप्टी कलेक्टर साहब के बड़े भाई बड़े पावरफूल थे। तब वे ताकतवर मंत्री के दाहिने हाथ थे। कांग्रेस की सरकार जाते ही उन्हें राजधानी से कोसों दूर भेज दिया गया, पर उनका छोटा भाई भाजपा सरकार के एक मंत्री के स्टाफ में घुसपैठ कर ली और मंत्री के करीबी बन गए। इसका फायदा उठाकर अपना उछूर् सीधा करने में लग गए। अब देखते हैं कब तक उनका दांव चलता है।

केदार कश्यप की परीक्षा

सोमवार 22 जुलाई से छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होगा। केदार कश्यप पहली बार संसदीय कार्य मंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर सदन के संचालन के लेकर मंत्रियों के बचाव और विपक्ष को साधने में कितने सक्षम होते हैं, यह इस सत्र में दिखेगा। मानसून सत्र काफी छोटा है। केवल पांच बैठकें होंगी, पर विपक्ष आक्रामक रुख अपना सकता है। पिछली बार नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने शेर की मौत के मामले में वन मंत्री के नाते केदार कश्यप को खूब घेरा था। इस बार क्या रुख होता है, देखते हैं। वैसे केदार कश्यप डॉ. रमनसिंह के कैबिनेट में 15 साल मंत्री रहे हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने तय किए लक्ष्य

रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संसदीय क्षेत्र के साथ राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण में सुधार का लक्ष्य तय किया है। पर्यावरण सुधार और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 11 लाख पौधे लगाने की ठानी है। मां के नाम एक पेड़ लगाने के अभियान के तहत पौधों को लगाने, बचाने और बड़ा करने के लिए सांसद जी लोगों की मदद भी करेंगे। रायपुर दक्षिण से आठ बार के विधायक, पांच बार के मंत्री और पहली बार सांसद बने बृजमोहन जी पौधरोपण के बहाने एक्टिव रहेंगे, तो छत्तीसगढ़ निर्माण के 24 साल बाद पहली बार बृजमोहन अग्रवाल के बिना राज्य की विधानसभा चलेगी।

कौन होगा रायपुर-बिलासपुर का कमिश्नर ?

2004 बैच के आईएएस डॉ संजय अलंग 31 जुलाई को रिटायर्ड हो जाएंगे। वे अभी रायपुर के साथ बिलासपुर संभाग के भी आयुक्त हैं। माना जा रहा है कि विधानसभा सत्र के बाद आईएएस अफसरों की पोस्टिंग में कुछ हेरफेर होगी, उसमें रायपुर और बिलासपुर के लिए नए आयुक्त की पदस्थापना हो जाएगी। वैसे सरकार ने दो दिन पहले ही जगदलपुर के संभागायुक्त श्याम धावड़े का रायपुर ट्रॉन्सफर कर उनकी जगह डोमनसिंह को बस्तर का कमिश्नर बनाया है। डोमन सिंह अभी बिलासपुर संभाग में अपर आयुक्त हैं।